तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 154 | कोरबा, शनिवार , दिनांक 07 मार्च 2026 डाक 08 मार्च 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
नेपाल के आम चुनावों के नतीजों की घोषणा से पहले, काठमांडू, नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के समर्थक चुनाव आयोग के बाहर पार्टी के चुनाव निशान घंटी बजाते हुए....

देश-विदेश
दिल्ली में विशेष समुदाय की युवती पर रंग भरा गुब्बारा गिरा तो पीट-पीटकर युवक को मार डाला, छावनी बना इलाका

कोरिया पेज
कुख्यात सूदखोर राजू खान गिरफ्तार, आदिवासी परिवार से 20 लाख की ठगी का मामला

मनामा और यरुशलम में धमाके, दुबई एयरपोर्ट पर गिरा मिसाइल का मलबा, मिडिल ईस्ट में 8वें दिन भी तनाव

ईरान, 07 मार्च [एजेंसी]।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव का आज आठवां दिन है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई देश पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा है, जिसके कारण तनाव घटने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है। तेहरान से तेल अवीव तक चारों तरफ मिसाइलों दागी जा रहीं हैं। बढ़ते तनाव के कारण बिगड़ती स्थिति को लेकर यूएन ने गहरी चिंता जताई है।

दरअसल, 28 फरवरी 2026, शनिवार को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत अमेरिका और इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में भीषण हमले किए। इस हमले के दौरान ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। जिसके बाद ईरान ने इजरायल समेत एक साथ कई खाड़ी देशों में मिसाइलों की बौछारें करनी शुरू कर दी। जिसके बाद से तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यूएन प्रमुख ने चेतावनी दी है कि यह संघर्ष किसी के भी नियंत्रण से बाहर जा सकता है और तत्काल कूटनीतिक प्रयासों की अपील की है। मिडिल ईस्ट में जारी तनातनी के बीच अब

तक क्या-क्या हुआ है। आज सुबह करीब 50 इजरायली फाइटर जेट्स ने तेहरान में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के लिए बनाए गए एक अंडरग्राउंड बंकर पर हमला किया। खामनेई के बेटे मोजतबा के पद संभालने वाली बात अमेरिका को रास नहीं आ रही है। ट्रंप ने कहा, हम ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो ईरान में सद्भाव और शांति लाए। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से मोजतबा को एक अस्वीकार्य विकल्प बताया। ईरान के प्रेसिडेंट मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि कुछ देशों ने मध्यस्थता की कोशिशें शुरू कर दी हैं, ईरान हमेशा की शांति के लिए कमिटेड है, लेकिन अपने देश की इज्जत और सॉवरेनिटी की रक्षा करने में हिचकिचाएगा नहीं।

ईरान की राजधानी तेहरान के मेहराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार तड़के जोरदार धमाकों से अफरातफरी मच गई। रिपोर्टों के मुताबिक, धमाके इतने तेज थे कि उनसे आसपास की कई इमारतों की खिड़कियां हिल गईं। तेहरान में शुक्रवार को इजरायली वायुसेना ने बड़ा हवाई हमला किया, जिसका लक्ष्य ईरान के सर्वोच्च नेता के परिसर के नीचे बने भूमिगत बंकर को बताया गया। इजरायल के अनुसार, लगभग 50 फाइटर जेट इस ऑपरेशन में शामिल थे, जिन्हें मिलिट्री इंटेलिजेंस की सटीक जानकारी के आधार पर संचालित किया गया और मोसाद के साथ समन्वय स्थापित था, जिन बंकरों पर हमला किया गया वह सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामनेई के लिए तैयार किया गया था। ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच यूनाइटेड स्टेट्स मिडिल ईस्ट में एयरक्राफ्ट कैरियर स्स जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश को तैनात कर रहा है।

गुरमीत राम रहीम को बड़ी राहत

अदालत ने 24 साल पुराने हत्याकांड में किया बरी, अन्य आरोपियों की सजा बरकरार

पंचकूला। बहुचर्चित छत्रपति हत्याकांड मामले में डेरा मुखी को बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने शनिवार सुबह सीबीआई अदालत के फैसले को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए डेरा मुखी को इस मामले से बरी कर दिया है। हालांकि अदालत ने मामले में दोषी ठहराए गए अन्य तीन आरोपियों कुलदीप, निर्मल और किशन लाल की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। हाई कोर्ट ने यह फैसला आरोपियों द्वारा सीबीआई की विशेष अदालत के निर्णय के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई के बाद सुनाया। अदालत ने मामले से जुड़े साक्ष्यों और दलीलों पर विस्तृत विचार करते हुए डेरा मुखी के खिलाफ आरोपों को पर्याप्त रूप से साबित न होने के आधार पर उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी करने का आदेश दिया। वहीं, अन्य तीन आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए उनकी दोषसिद्धि और सजा को कायम रखा गया है। मामला पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या से जुड़ा हुआ है, जिसने अपने समय में काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में व्यापक प्रतिक्रिया हुई थी और मामले की जांच बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई थी। सीबीआई की विशेष अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद मामले में डेरा मुखी सहित अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ सभी दोषियों ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में अपील दाखिल की थी।

आय से अधिक संपत्ति मामला, सिंचाई विभाग के इंजीनियर के 7 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

भुवनेश्वर 7 मार्च। ओडिशा सतर्कता विभाग (विजिलेंस) ने शनिवार को केंद्रपाड़ा सिंचाई प्रभाग के अंतर्गत डेराबिश सिंचाई उपमंडल के सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) प्रमोद राय से जुड़े सात ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। इन पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। कटक स्थित विशेष सतर्कता न्यायाधीश द्वारा जारी वारंट के आधार पर ये सतर्कता विभाग तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 9 पुलिस उप अधीक्षकों (डीएसपी), 9 इंस्पेक्टर, चार सब इंस्पेक्टर और अन्य सहायक कर्मचारियों वाली ओडिशा सतर्कता विभाग की टीम केंद्रपाड़ा, कटक, ढेंकनाल, भद्रक और भुवनेश्वर जिलों में एक साथ छापेमारी कर रही है। विजिलेंस की टीम प्रमोद राय के भुवनेश्वर के बलिआंता जिले के जोहाला में एक चार मंजिला इमारत, कटक जिले के चौद्वार जिले के जाजाभैरब में एक दो मंजिला इमारत और कटक के बांकी क्षेत्र के रागाड़ी में उनके पैतृक घर पर छापेमारी कर रही है। इसके अलावा भद्रक जिले के बुडांगा में इंजीनियर के रिश्तेदार का घर, केंद्रपाड़ा जिले के डेराबिश सिंचाई कार्यालय में उनका कार्यालय कक्ष-सह-अस्थायी निवास, ढेंकनाल जिले के सनासाथीबातिया में रिश्तेदार का घर और भुवनेश्वर के पटिया में एक रिश्तेदार का घर पर टीम छापेमारी कर रही है। सतर्कता अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान फिलहाल जारी है और आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

सीकर में सुबह-सुबह आया भूकंप, खाटूश्याम जी समेत कई जगहों पर महसूस हुए झटके

सीकर, 07 मार्च [एजेंसी]।

राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके खाटूश्यामजी सहित सीकर के कई गांवों में महसूस किए गए। भूकंप सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आया। भूकंप की तीव्रता रिएक्टल पैमाने पर 3.5 दर्ज किया गया।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए। इस दौरान घरों के पंखे और बर्तन गिर गए। दहशत

में लोग घरों से बाहर निकल गए। काफी देर तक लोग भूकंप की डर से घरों से बाहर ही रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि रानोली और आस-पास के इलाकों में भी झटके महसूस किए गए। जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र सीकर रहा। भूकंप के झटके रानोली, खाटूश्यामजी, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद खाटूश्यामजी में भी होटल और धर्मशालाओं में रुके लोग बाहर निकल आए। हालांकि, किसी तरह के जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

कार के अंदर मिली दो सगे भाइयों की लाश, दम घुटने से मौत की आशंका

फरीदाबाद। नवीन नगर इलाके में दो सगे भाईयों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दोनों के शव देर रात अगवानपुर रोड पर कार के अंदर मिले।मृतकों की पहचान रोशन नगर निवासी 44 वर्षीय कुंदन कुमार और 38 वर्षीय रंजन कुमार के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में दोनों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भिजवाए हैं। स्वजन से पता चला है कि दोनों भाई शुक्रवार सुबह कार लेकर घर से निकले थे। देर शाम तक जब वापस नहीं लौटे तो स्वजन ने उनकी तलाश शुरू की। उनकी कार नवीन नगर इलाके में अगवानपुर रोड पर खड़ी मिली। उसके अंदर दोनों के शव थे।

08 मार्च को खेलो इंडिया अस्मिता लीग एवं जिला स्तरीय महिला खेल का आयोजन

कोरबा। संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग कोरबा द्वारा जिला में 08 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खेलो इंडिया अस्मिता लीग के तहत खेल 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, दौड़ प्रतियोगिता आयु वर्ग अण्डर 13, 13 से 18 वर्ष एवं 18 वर्ष से उपर के प्रतिभागियों के लिये एवं मनोरंजनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के बालिका/महिलाओं को खेलों के प्रति उत्साहित एवं बढ़ावा देने के उददेश्य से 01 दिवसीय जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01, कोरबा में किया जायेगा। महिला खेल प्रतियोगिता अंतर्गत खेल कबडडी, खो-खो, रस्साकसी एवं व्हॉलीबॉल को शामिल किया गया है। प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क है। संबंधित खेल 08 मार्च 2026 को प्रातः 10:00 बजे से आयोजित किया जायेगा। आयोजन में बालिका/महिला प्रतिभागी निर्धारित प्रपत्र में विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01, कोरबा में 08 मार्च 2026 को अपना पंजीयन कराकर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।जिला खेल अधिकारी ने जिले के समस्त बालिका/महिला खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराकर भाग ले सकती हैं।

कॉलेज की वार्षिक परीक्षाएं 09 मार्च से शुरू

कोरबा। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से संबंधित जिले के शासकीय व निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण समय शुरू होने जा रहा है। आगामी 9 मार्च से स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ होंगी। संबंधित सभी संकायों के समय सारणी पहले से महाविद्याालयीन छात्र-छात्राओं को पहले ही दे दी गई है। सूचना वेबसाइट में अपलोड भी की जा चुकी है। परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। परीक्षा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने तथा निष्पक्ष माहौल में परीक्षा संपन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस वर्ष परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा केंद्रों में बैठने की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। महाविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पहले से ही सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर ली गई है। परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों को रोल नंबर के अनुसार बैठाया जाएगा, जिससे परीक्षा प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से संचालित हो सके। परीक्षा कक्षों में अनुशासन बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही केंद्राध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड भी जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह के साथ-साथ हल्की चिंता भी देखने को मिल रही है। पिछले कई दिनों से विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में जुटे हुए हैं।पुस्तकालयों और अध्ययन कक्षों में भी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ गई है। महाविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई जाएंगी। इसके लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

मोबाइल दुकान में नगद समेत लाखों की चोरी

कोरबा। दर्री थाना क्षेत्र में होली के मौके पर एक मोबाइल दुकान में चोरी की बड़ी वारदात हुई है। अज्ञात चोरों ने आस्था मोबाइल पैलेस से करीब डेढ़ लाख रुपये के मोबाइल फोन, नकदी और अन्य सामान चुरा लिए। यह घटना देर रात करीब 1:30 बजे हुई, जब पूरा शहर होली के उत्सव में डूबा था। दुकान के संचालक आकाश जायसवाल ने बताया कि उन्हें रात करीब 1:30 बजे चोरी की सूचना मिली।

मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान का शटर किनारे से उठाया गया था और अंदर रखा सारा सामान गायब था और चोर बड़ी संख्या में मोबाइल फोन,नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान की कुल कीमत लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया चोरों ने शटर उठाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही दर्री पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।थाने के करीब ही चोर ने दिया चोरी को अंजामगौरतलब है कि जिस स्थान पर यह चोरी 5ुई है, वह दर्री थाने से बहुत कम दूरी पर स्थित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में पहले भी ऐसी कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे व्यापारियों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

शराब में मिलावट करने वाले 6 कर्मियों पर कार्रवाई

कोरबा। जिले के रामपुर क्षेत्र स्थित कंपोजिट मादक द्रव्य पदार्थ बिक्री केंद्र के 6 कर्मचारियों पर आबकारी विभाग ने कार्यवाही की है। इन कर्मचारियों को मादक द्रव्य पदार्थ में मिलावट के आरोप में दुकान से हटा दिया गया है। बताया जा रहा हैं की जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद यह कार्यवाही की गई।

उक्त जानकारी होली से पहले मादक द्रव्य पदार्थ में मिलावट कर बेचे जाने के संदर्भ में सामने आई है। ये सभी कर्मचारी ग्लोबल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के हैं, जो जिले की सभी मादक द्रव्य पदार्थ संस्थान में कर्मचारियों की तैनाती करती है। उक्त कंपनी पर मादक द्रव्य पदार्थ संस्थान में नौकरी दिलाने के नाम पर पैसों के लेनदेन के आरोप भी पहले सामने आ चुके हैं।

जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं की उक्त कार्यवाही आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन के हालिया निर्देशों के बाद हुई है। उन्होंने कुछ दिनों पहले आबकारी विभाग के अधिकारियों की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी या निजी कंपनियों द्वारा अनियमितता या लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने मिलावटी मादक द्रव्य पदार्थ, अवैध बिक्री, मादक द्रव्य पदार्थ की तस्करी और महुआ निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ पर भी सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

महतारी वंदन योजना बनी संबल: बूँदकुंवर को हर माह प्राप्त एक हजार रुपये से मिल रहा सहारा

कोरबा। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम जटगा की 70 वर्षीय बूँदकुंवर के जीवन में अब हर महीने मिलने वाली एक छोटी-सी राशि बड़ा सहारा बन गई है। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाले एक हजार रुपये से उन्हें न केवल आर्थिक संबल मिला है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

पति के निधन के बाद बूँदकुंवर ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने जीवन की जिम्मेदारियों को मजबूती से निभाया। वह अपने बेटे और बहू के साथ सादगीपूर्ण जीवन जी रही हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना भी कई बार चुनौती बन जाता था। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना उनके लिए सहारा बनकर सामने आई है।बूँदकुंवर बताती हैं कि योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से उन्हें अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में काफी मदद मिलती है। कभी दवा लेने में, तो कभी घर की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने में यह राशि उनके लिए उपयोगी साबित होती है।वे कहती हैं, हर महीने मिलने वाली यह राशि मेरे लिए बहुत मददगार है। इससे मुझे अपनी जरूरतों के लिए किसी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ता।

बूँदकुंवर के जीवन में सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपना पक्का घर बनवाया है, जिससे अब उनके सिर पर सुरक्षित छत है। वहीं महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके दैनिक जीवन में अतिरिक्त सहारा प्रदान कर रही है।आज बूँदकुंवर अपने बेटे-बहू के साथ गांव में संतोषपूर्ण जीवन व्यतीत कर रही हैं। वह कहती हैं कि सरकार द्वारा महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई महतारी वंदन योजना से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को वास्तविक लाभ मिल रहा है।

मोदी के साथ नगरवासियो ने जमकर मनाई होली

चित्रा टॉकीज प्रांगण में हुई रंगों की बौछार

कोरबा। कोरबा अंचल में रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी द्वारा चित्रा टॉकीज प्रांगण में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। उक्त आयोजित कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों

से जुड़े लोग, पत्रकारगण, जनप्रतिनिधि सहित भाजपा कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। समारोह के दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और रंगों के इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया। पूरे कार्यक्रम में आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने होली गीतों के बीच एक-दूसरे के साथ रंग खेलकर उत्सव का आनंद लिया। होली का त्यौहार समाज में खुशियां, सकारात्मकता और एकता का प्रतीक-गोपाल मोदीइस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने जिलेवासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। होली का त्यौहार समाज में खुशियां, सकारात्मकता और एकता का प्रतीक हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी एक-दूसरे को रंग लगाकर शुभकामनाएं दीं और होली के इस पर्व को यादगार बनाया। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और रंगों की छटा देखते ही बन रही थी।

बिहान से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं, स्व सहायता समूह से जुड़कर बना रहीं अपनी अलग पहचान

कोरबा। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बिहान कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को स्व सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि आज ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बना रही हैं। कोरबा जिले में भी बिहान से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

इसी कड़ी में विकासखंड करतला के ग्राम सरगबुंदिया की निवासी श्रीमती सावित्री उरांव आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। एक समय ऐसा था जब सीमित आय, आर्थिक असुरक्षा और स्थायी आजीविका के अभाव के कारण उनका जीवन संघर्षों से घिरा हुआ था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संसाधनों की कमी के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा था। ऐसे समय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत

गठित स्व सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने उनके भीतर आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई आशा जगाई।बिहान कार्यक्रम के तहत श्रीमती उरांव को समय-समय पर वित्तीय साक्षरता, समूह प्रबंधन, उद्यम विकास और आजीविका संवर्धन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किए गए। इन प्रशिक्षणों ने उन्हें केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि आत्मनिर्भर बनने, निर्णय लेने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया। जिला प्रशासन एवं एनआरएलएम के सहयोग से उनके स्व सहायता समूह को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया, जिसके अंतर्गत समूह को रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक ऋण की सुविधा प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहयोग और प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया। वर्तमान में वे कपड़ों के व्यापार सहित का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। उनके निरंतर परिश्रम, सही मार्गदर्शन और समय पर मिली वित्तीय सहायता का परिणाम है कि आज उनकी वार्षिक आय लगभग 8 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ-साथ सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि हुई है।

आज वो न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं, बल्कि सामाजिक रूप से भी एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरी हैं। वे अपने गांव की अन्य महिलाओं को स्व सहायता समूहों से जुड़ने, बचत की आदत अपनाने और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन कोरबा को देती हैं। उनका कहना है कि समय पर प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और प्रशासन के मार्गदर्शन ने उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया।

रोजगार कार्यालय कोरबा में प्लेसमेंट केंप 11 मार्च को

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 11 मार्च को किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से नियोजक -. प्रिंसीपल सिक्योरिटी एण्ड एलाईड सर्विसेस प्रा0लि0, कोरबा, द रियल हण्टर बालको कोरबा, कृष्णा कॉरपोरेशन कोरबा और अपोलो फार्मासिटिज लिमि0 रायपुर द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी।रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है सिक्योरिटी गार्ड - 70, सिक्योरिटी सुपरवाईजर - 10, सिक्योरिटी गार्ड डॉग हेण्डलर - 10, सिक्योरिटी गार्ड डॉग हेण्डलर 02, सी.आर.ओ.- 02, टेक्निकल असिस्टेंट- 06, फार्मासिस्ट' 10, फार्मेसी असिस्टेंट- 10 योग्यता- 8वी - गया है।

राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

कोरबा जिला कार्यालय में कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देश पर आज विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री तरूण कुमार किरण (आईएएस) की अध्यक्षता में राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री ओंकार यादव एवं प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख श्री टी. आर. भारद्वाज भी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित मसाहती सर्वेक्षण कार्यों सहित विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिला कोरबा में चल रहे कुल 113 मसाहती ग्रामों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि इन 113 मसाहती ग्रामों में से 08 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन तथा 12 ग्रामों का प्रारंभिक प्रकाशन किया जा चुका है, जबकि शेष ग्रामों में मसाहती सर्वे का कार्य प्रगति पर है। समीक्षा के दौरान उपस्थित राजस्व निरीक्षकों एवं हल्का पटवारियों को ग्रामवार खसरों का सत्यापन, प्रारंभिक प्रकाशन एवं अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा राजस्व अभिलेखों की स्वच्छ प्रति तैयार करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि मसाहती ग्रामों के सर्वेक्षण कार्य की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा कलेक्टर द्वारा की जाएगी। सर्वेक्षण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर एक राजस्व निरीक्षक तथा 14 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया है।बैठक में इसके अतिरिक्त डीसीएस के अंतर्गत रबी फसल सर्वेक्षण, सातवीं लघु सिंचाई संगणना, डिजिटल किसान किताब, सीमांकन कार्यों की प्रगति, वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टा नामांतरण, स्वामित्व योजना, नक्शा बटांकन एवं नवीनीकरण से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

कृषि विज्ञान केंद्र कटघोरा में 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर पोस्ट-बजट वेबिनार का सीधा प्रसारण

कोरबा। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) कटघोरा में शुक्रवार को 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' विषय पर आयोजित पोस्ट-बजट वेबिनार का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को केंद्र सरकार के बजट में कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई। वेबिनार का प्रसारण सुबह 11:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रगतिशील किसान तथा महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय सहभागिता रही।

वेबिनार के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। उन्होंने अपने संदेश में कृषि क्षेत्र में तकनीक के बढ़ते उपयोग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए बजट में किए गए महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आधुनिक तकनीक और नवाचार किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र कटघोरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस. पी. सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बजट की नई नीतियों का लाभ तभी मिल सकेगा, जब किसान इन योजनाओं और तकनीकों के प्रति जागरूक होकर उन्हें अपनाएंगे। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों ने भी किसानों का मार्गदर्शन किया। मत्स्य विज्ञान की विशेषज्ञ श्रीमती सुलोचना भुइयां ने मछली पालन और नील क्रांति की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। मृदा वैज्ञानिक श्री डी. के. तँवर ने मिट्टी परीक्षण और संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व के बारे में बताया। कीट वैज्ञानिक श्री एम. एस. उर्रे ने फसलों को कीट एवं रोगों से बचाने के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी, वहीं उद्यानिकी विशेषज्ञ श्रीमती अर्चना कुर्रे ने किसानों को फल एवं सब्जियों की उच्च मूल्य वाली खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

आग न लगाने की समझाईश देने पर युवक ने टांगी लेकर वन कर्मियों को दौड़ाया

कोरबा। कटघोरा वनमंडल के जेमरा सर्किल वनांचल क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने जंगल में आग लगा दी। यह आग जंगल में तेजी से फैल रही थी। सूचना मिलने पर पहुंचे वन कर्मियों ने आग पर किसी तरह काबू पाया। उन्होंने युवक को समझाइश देने की कोशिश की तो उस पर वन कर्मियों से ही गाली गलौच शुरू कर वन कर्मियों को कुल्हाड़ी लेकर दौड़ाने का आरोप लगा हैं। मामले में वन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर कथित आरोपी को जेल दाखिल कराया गया है। बताया जा रहा है कि जेमरा में निवाररत व्यक्ति ने जेमरा के एएनआर क्षेत्र क्रमांक पी 128 के तीन चार पेंच में आग लगा दी। यह आग तेजी से जंगल में फैल रही थी, जिसकी सूचना पेट्रोलिंग पर निकले सर्किल के स्टॉफ को लगी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर किसी तरह आग को बुझा दिया। वन अमले ने उसको समझाईश देने की कोशिश की, लेकिन वह आगबबूला हो गया। आरोप लगाते हुए बताया जा रहा हैं की उसने गाली-गलौच देते हुए जान से मारने की धमकी दी। साथ ही कर्मचारी को कुल्हाड़ी लेकर दौड़ाना शुरू कर दिया। वनकर्मी किसी तरह जेमला के स्टॉफ क्वाठर पहुंचा, जहां शरण लेकर उसने अपनी जान बचाई। इस बीच ग्रामीण ने स्टाफ क्वार्टर के चौखट पर कुल्हाड़ी से हमला किया। पूरे मामले की जानकारी वनकर्मी ने उच्चाधिकारी प्रशिक्षु आईएफएस प्रीती यादव को दी गयी। साथ ही पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी सदल बल ग्राम पहुंचे। पुलिस कथित आरोपी को पकड़कर थाना ले आई। मामले में वैधानिक कार्यवाही उपरांत उसको जेल दाखिल कराया गया है।

अग्रसेन कॉजेल की छात्राओं ने सीपेट में लिया प्रशिक्षण

कोरबा । आज के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों को शैक्षणिक जानकारी के साथ-साथ उनकी रुचि अनुसार कौशल विकास प्रशिक्षण की आवश्यकता है, जिससे उनका संपूर्ण विकास हो सके तथा वे रोजगार प्राप्त कर सकें। अध्यापन उपरांत अपने कौशल के अनुसार रोजगार के लिए निजी व्यवसाय तथा किसी कंपनी में प्लेसमेंट के लिए सही मार्गदर्शन आवश्यक है।नवीन पाठ्यक्रम तथा ह्श्वक्क 2020 के तहत श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सिपेट कोरबा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण लिया गया। यह प्रशिक्षण 'कौशल उन्नयन कार्यक्रम' के तहत दिया गया, जिसमें प्लास्टिक उत्पादकों के डिजाइन एवं निर्माण की बुनियादी जानकारी दी गई। साथ ही इस क्षेत्र में स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु मार्गदर्शन भी दिया गया। यह प्रशिक्षण 24 और 25 फरवरी को हुआ। इस प्रशिक्षण से महाविद्यालय की 91 छात्राएँ लाभान्वित रहीं।

प्रथम दिवस में राजीव कुमार लाइहरे ने प्लास्टिक सामग्री की उपयोगिता तथा प्लास्टिक के गलत तरीके से उपयोग के रोकथाम हेतु उपाय बताए। साथ ही प्लास्टिक पुनर्चक्रण एवं संस्करण पर व्याख्यान दिया। महेश कुमार टुडू ने छात्राओं को टूल रूम में प्लास्टिक उत्पादक उपकरणों के संचालन के बारे में जानकारी दी।

द्वितीय दिवस में संजय बोधक द्वारा 3ष्ठ प्रिंटिंग तथा ष्ट्रष्ठ/ष्टरू सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण दिया गया। महेश टुडू द्वारा लेजर कटिंग तथा मोल्डिंग तकनीक की जानकारी दी गई। रजनीश पांडे द्वारा एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस पर व्याख्यान दिया गया। तृतीय दिवस में नीतीश कुमार द्वारा छात्राओं को प्लास्टिक उत्पादों की गुणवत्ता जांच हेतु लैब टेस्टिंग तथा प्रयोग में आने वाले उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। भावेशभाई प्रजापति द्वारा प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण में उपयोग होने वाले प्रत्येक उपकरण की उपयोगिता, संचालन की विधि एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। छात्राओं ने बड़े उत्साह एवं उत्सुकता से डिजाइनिंग तथा प्रोसेसिंग की पूरी प्रणाली की बारीकियों को जाना। भविष्य में पाठ्यक्रम के अनुकूल औद्योगिक प्रशिक्षण साकार रूप से संगठित हो सके, इस हेतु दोनों संस्थानों के बीच स्न्ह्र स्थापित किया गया।इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में सिपेट कोरबा के संस्था प्रभारी राजीव लाइहरे, संजय बोधक, महेश टुडू तथा श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार झा, सहायक प्राध्यापक अंजना चौधरी एवं सहायक प्राध्यापक रुचिका कल्ला उपस्थित रहे। महाविद्यालय शिक्षण समिति द्वारा इस कार्यक्रम की सराहना की गई तथा भविष्य में छात्रों के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की गई।

शहर में दो स्थानों पर बना चार्जिंग स्टेशन

कोरबा। जिले में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने शहर के दो स्थानों में ई चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। जिसकी टेस्टिंग की गई। जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की चार्जिंग का सार्वजनिक विकल्प लोगों को अब शहर में मिलने लगेगा। केंद्र सरकार के नेशनल ग्रीन एयर प्रोग्राम एनसीएपी (एनसीएपी) के तहत ईवी चार्जिंग स्टेशन के इंस्टॉलेशन के लगभग 4 महीने बाद मशीनों का सफलतापूर्वक ट्रायल पूरा कर लिया गया है। दो दिन के ट्रायल के दौरान लगभग 20 वाहनों को सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। सफल ट्रायल रन के बाद अब जल्द ही ईवी चार्जिंग स्टेशन को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। निगम द्वारा इसकी तैयारी की जा रही है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो जल्द ही ईवी वाहनों को घर के बाहर चार्जिंग करने की सुविधा लोगों को मिलने लगेगी। सामान्य तौर पर इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को घर पर चार्ज करने में काफी समय लग जाता है, ई-बाइक, स्कूटी और ऑटो रिक्शा जैसे वाहनों को चार्ज करने में भी 5 से 6 घंटे तक का समय लगता है, लेकिन नगर पालिक निगम द्वारा लगाया गए चार्जिंग स्टेशन में वाहन 30 मिनट में ही फुल चार्ज हो जाएंगे। घंटाघर में स्मृति उद्यान के समीप तो सुनालिया चौक से के आगे मल्टीलेवल पार्किंग में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इन दोनों ही स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को चार्ज करने के लिए अत्याधुनिक मशीनों को इंस्टॉल किया गया है, जहां प्रत्येक चार्जिंग स्टेशन में एक समय में पांच वाहन चार्ज होंगे। यहां निगम के तकनीकी कर्मचारी भी तैनात किए जाएंगे। इन स्थानों पर इलेक्ट्रॉनिक बस से लेकर कार, जीप, ई-ऑटो, ई बाइक और स्कूटी सभी को चार्ज करने की सुविधा मिलेगी। कोरबा जैसे प्रदूषित शहर में ग्रीन एनर्जी और ग्रीन व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की योजना के तहत ईवी चार्जिंग स्टेशन को तैयार किया गया है। ताकि लोग अधिक से अधिक पेट्रोल और डीजल पर आधारित वाहनों को त्याग कर इलेक्ट्रॉनिक वाहन को अपनाएं, लेकिन अब तक लोगों के पास इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को घर के बाहर चार्ज करने का विकल्प मौजूद नहीं था। घर पर भी नॉर्मल चार्जर है, जिससे वाहनों को चार्ज करने में 5 से 6 घंटे का समय लग जाता है। निगम द्वारा स्थापित किए गए चार्जिंग स्टेशन के अस्तित्व में आने के बाद एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि आम लोगों को घर के बाहर अपने ई- वाहनों को चार्ज करने का विकल्प मिल जाएगा। सार्वजनिक परिवहन के लिए की ई-आटो चलाने वाले चालक हमेशा इस बात से भयभीत रहते हैं कि सवारी ले जाते समय बीच में ही उनके वाहन की चार्जिंग खत्म हो गई,

युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक सोच के साथ करना चाहिए कार्य:कश्यप

जांजगीर-चापा। छत्तीसगढ़ कहरा समाज द्वारा नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह जिला मुख्यालय जांजगीर के आडिटोरियम में कहरा समाज का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन जांजगीर के ऑडिटोरियम भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक व्यास कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अतिविशिष्ठ अतिथि के रूप में इंजीनियर रवि पाण्डेय एवं नगर पालिका जांजगीर अध्यक्ष रेखा देवा गढ़वाल रही। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान रामजानकी की प्रतिमा में ज्योति प्रज्वलित कर अतिथियों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि विधायक व्यास कश्यप ने कहरा समाज प्रदेशाध्यक्ष मुकेश राकेश एवं महासचिव हरिहर आदित्य को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों को सेवानिवृत जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ लाल कटकवार द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया एवं सभी केंद्राध्यक्षों को भी शपथ ग्रहण कराया गया। रवि पाण्डेय एवं रेखा देवी गढ़वाल ने मंच को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कहरा समाज को शिक्षा में और आगे बढ़ने एवं समाज को ज्यादा से ज्यादा संगठित होने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि व्यास कश्यप ने मंच से समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के युवाओं को समाज को आगे बढ़ाने का दायित्व निभाना चाहिए।

विधायक ने मंच से कहरा समाज भवन जांजगीर के निर्माण कार्य के लिए बीस लाख रुपए अनुदान राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन कहरा समाज युवा संगठन के संरक्षक लखेश्वर आदित्य एवं दीपक आदित्य के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देव व्रत आदित्य प्रांताध्यक्ष मछुआ महासंघ कल्याण समिति, गायत्री गणवाल प्रदेशाध्यक्ष देवेश कुमार सिंग वरिष्ठ समाजसेवी नवीन धीवर, संतोष मल्लाह, अध्यक्ष देव कुमार आदित्य लखेश्वर आदित्य दीपक आदित्य अशोक कटकवार लालमणि राकेश माधुरी आदित्य, रविशंकर कटकवार, शिवमोहन बघेल एवं सचिव खिलावन आदित्य द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

नैला आरओबी और रेलवे की समस्याओं को लेकर किया नगर बंद व चक्का जाम

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर में रेलवे से संबंधित समस्याओं के विरोध में शुक्रवार को नगर बंद व चक्काजाम कर प्रदर्शन किया गया। विधायक के नेतृत्व में चले आंदोलन को व्यापारी संघ व अन्य वर्गों ने भी समर्थन दिया। नैला रेलवे ओव्हरब्रिज समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे 8 घंटे तक मुख्य मार्ग पर चक्काजाम किया गया।

अधिकारियों की ओर से मिले लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त हुआ। जांजगीर नैला, रेलवे स्टेशन में सुविधाओं के विस्तार के साथ ही नैला फाटक, पर आरओबी निर्माण शुक्रवार 6 मार्च को जिला मुख्यालय में रेलवे के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया गया। जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप के नेतृत्व में आंदोलन सुबह 6 बजे शुरू हुआ। की स्टेशन रोड पर परशुराम चौक के पास विधायक अपने समर्थकों समेत धरने पर बैठ गए। सड़क के बीचो बीच बड़ा पंडाल लगाया गया था। इससे स्टेशन मार्ग पूरी तरह से अवरूद्ध हो गया। आंदोलन की सुचना पूर्व में ही जिला प्रशासन और रेलवे प्रशासन को दे दी गई थी, ऐसे में सुबह से ही मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस और रेलवे पुलिस की टीम तैनात हो गई थी।

जैसे जैसे दिन चढ़ता गया वैसे वैसे गहमा गहमी भी बढ़ती गई। इधर व्यापारी संगठन ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए नैला रोड में अपनी दुकानें बंद रखी। वहीं अकलतरा विधायक राघवेन्द्र सिंह और जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने भी मौके पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। दोपहर करीब 12 बजे बिलासपुर से रेलवे के अधिकारी जांजगीर पहुंचे। एडीआरएम जे.एस. मीणा, सीनियर डीसीएम अनुराग कुमार , सीपीएम राजीव कुमार समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में विधायक ब्यास कश्यप और प्रतिनिधि मंडल के रेलवे स्टेशन के बंद कमरे में करीब दो घंटे तक चर्चा चली। इस दौरान मांगों पर सहमति तो बनी मगर अधिकारियों की ओर से लिखित में नहीं दिए जाने पर नाराज विधायक समेत अन्य लोग आंदोलन स्थल पर पहुंचकर फिर से प्रदर्शन करने लगे। दोपहर करीब ढाई बजे रेलवे और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मांगों पर लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

उल्लेखनीय है कि जांजगीर नैला रेलवे स्टेशन में साउथ बिहार और गोडवाना एक्सप्रेस के ठहराव की मांग लंबे समय से की जा रही है। वहीं नैला रेलवे फाटक में आरओबी की मांग भी बहुप्रतीक्षित है। इसके अलावा नहरिया बाबा मंदिर के पास फुट ओव्हरब्रिज की भी मांग हो रही हैं। इन मांगों को लेकर 7 मई 2025 को विधायक ब्यास कश्यप ने प्रदर्शन किया था, तब रेलवे के अधिकारियों ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। यही वजह रही कि शुक्रवार को नगर में चक्काजाम का उग्र आंदोलन किया गया।

रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में काम के लिए समय सीमा भी तय की गई। बेला आरओबी के लिए 15 सितंबर तक प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने, नहरिया चाचा मंदिर फुट ओव्हरब्रिज के लिए भू अर्जन प्रक्रिया पूर्ण होने के 12 माह के भीतर कार्य पूर्ण करने मिशन गेट थापा में अंडरब्रिज निर्माण कार्य 18 माह में पूर्ण करने पर सहमति बनी। वहीं जांजगीर नैला स्टेशन में साउथ बिहार और गोडवाना एक्सप्रेस के ठहराव के लिए पुन रेलवे के सक्षम अधिकारी को पत्र भेजने की बात कही गई। इधर कार्यों की प्रगति की संबंध में जिला कार्यालय में प्रति माह समीक्षा की भी बात कही गई।

राजस्व प्रकरणों के समय पर निराकरण को लेकर दी जाएगी प्राथमिकता

तुस्मा । शिवरीनारायण तहसील में पदभार ग्रहण करने के बाद नव पदस्थ तहसीलदार महेन्द्र लहरें एवं नायब तहसीलदार चन्द्र कुमार साहू का जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दोनों अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह के दौरान तहसीलदार महेन्द्र लहरें ने कहा कि वे राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण को अपनी प्राथमिकता बनाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से तहसील कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए कार्यालयीन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है, इसलिए जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि लंबित राजस्व मामलों की समीक्षा कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाएगा नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अन्य राजस्व संबंधी मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या शिकायत की स्थिति उत्पन्न म हो। तहसीलदार ने यह भी भरोसा दिलाया कि वे आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनेंगे और त्वरित समाधान का प्रयास करेंगे। नायब तहसीलदार चन्द्र कुमार साहू ने भी अपने संबोधन में निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। जनप्रतिनिधियों ने यह भी उम्मीद जताई कि तहसील कार्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही की नई कार्यसंस्कृति विकसित होगी। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में उपस्थित नागरिकों ने नव पदस्थ अधिकारियों के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं मिल सकेंगी।

लोगों को सामाजिक समरसता का संदेश दिया

जोंधरा। ग्राम पंचायत जोंधरा में गायत्री शक्ति परिवार के तत्वावधान में आदर्श होली उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ किया गया।

आयोजन लतेल यादव व पिंकी यादव व सनातन प्रेमियों के सहयोग से लगातार दूसरे वर्ष आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों ने होलिका दहन स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों ने मिलकर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक समरसता व संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन विकास तिवारी ने किया। कार्यक्रम में सरपंच समारू राम केवंट, उपसरपंच रामखिलावन तिवारी, जनपद प्रतिनिधि उत्तरा रात्रे और पूर्व उपसरपंच दिनेश शर्मा सहित पंचायत के पंचगण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

गाड़ी खरीदी बिक्री के नाम पर धोखाधड़ी, आरोपी दुर्ग में गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। गाड़ी खरीदी बिक्री के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को साइबर सेल पुलिस ने दुर्ग से गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, सुखी राम साहू निवासी केरा रोड भाठापारा ने जांजगीर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह ट्रांसपोर्टिंग का काम करता है जिसे स्वयं के उपयोग के लिए एक सेकंड हैंड चार पहिया वाहन की आवश्यकता होने पर उसने एक मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क किया जो अपने आप को वसीम खान नाम बताया और वह दुर्ग में रहना बताया। प्रार्थी के द्वारा एक सेकंड हैंड गाड़ी खरीदने की बात करने पर आरोपी ने अपने स्विफ्ट डिजायर 2022 मॉडल जिसका नंबर सीजी 12 बीजी 3469 का फोटो सेंड किया।

कार की कीमत 5 लाख 20 हजार रुपए बताया। बयाना देने बोला तब प्रार्थी उसके मोबाइल नंबर में अलग-अलग किस्तों में 1,30,000 रुपए जमा किया। पैसा मिलने के बाद आरोपी वसीम खान द्वारा प्रार्थी का फोन उठाना बंद कर दिया। वह न ही वाहन को बिक्री के लिए संपर्क किया। प्रार्थी के द्वारा बार-बार संपर्क करने पर आरोपी ने गाड़ी का फोटो दिखाकर कल 130000 रुपए की रकम लेकर धोखाधड़ी किया। उसने वाहन बिक्री नहीं किया। जिसकी रिपोर्ट पर मोबाइल धारक के विरुद्ध 420 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी का पता तलाश हेतु पूर्व में पुलिस टीम ने दुर्ग में दबिश दी थी परंतु आरोपी लगातार फरार था। उक्त आरोपी को सायबर तकनीकी के माध्यम से दुर्ग मिलने पर सूचना से जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय द्वारा तत्काल थाना जांजगीर एवं साइबर थाना से एक संयुक्त टीम गठित की गई। आरोपी के धरपकड़ के लिए तत्काल दुर्ग की ओर रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को सायबर तकनीकी के आधार पर दुर्ग से पकड़ा गया।

कोल्डड्रिंक सेंटर में लगी भीषण आग, हजारों का सामान जलकर राख

जांजगीर चांपा। कचहरी चौक स्थित एक कोल्डड्रिंक सेंटर में अचानक आग लगने से हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग में फ्रिज, कोल्डड्रिंक की बोतलें और गन्ना सहित अन्य सामग्री नष्ट हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को कारण माना जा रहा है।

धर्मांतरण को लेकर मारपीट, घर में तोड़फोड़

बिलासपुर। जिले में एक बार फिर धर्मांतरण को लेकर बवाल हो गया। डायल-112 के पायलट पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगा है। यह भी आरोप है कि होली के दिन उसने कुछ लोगों के साथ मिलकर पड़ोस में रहने वाले परिवार के साथ मारपीट की और उनके घर में तोड़फोड़ की। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है।

मोहितराम खांडे अपने परिवार कुंदरा पारा में रहते है। पास में ही तोमन खांडे रहता है, जो डायल-112 के पायलट हैं। मोहितराम और तोमन आपस में रिश्तेदार भीं है। लेकिन तोमन ईसाई धर्म को मानता है। आरोप है कि तोमन खांडे मोहितराम के परिवार पर धर्म परिवर्तन कराने दबाव बना रहा था। विरोध करने पर उसने बाहर से गुंडे बुलाकर परिवार के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। जबकि तोमन ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। शुक्रवार को पीड़ित परिवार की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसएसपी से सुरक्षा की मांग करते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले करीब 12 दिनों से डर के कारण अपने घर लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। इधर, पुलिस का कहना है कि घटना के बाद पीड़ित थाने आए थे, लेकिन उस समय धर्मांतरण की कोई बात सामने नहीं आई थी। उन्होंने जमीन विवाद होने की जानकारी दी थी। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही है।

दरअसल, तोमन खांडे कुंदरा पारा में रहता है। वह पिछले 10-12 सालों से ईसाई धर्म को मान रहा है। मोहल्ले में ही रिश्तेदार मोहितराम खांडे अपने परिवार के साथ रहते हैं। आरोप है कि तोमन मोहितराम के परिवार पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बना रहा था।

तोमन पुलिस का डर दिखाकर धमकाता है और कहता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मोहितराम के अनुसार, तोमन खांडे के घर में हर रविवार पादरी को बुलाकर धर्म प्रचार किया जाता है और आसपास के लोगों पर भी धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है।

महके आम के बौर, बेहतर उत्पादन की बढ़ी संभावना

सक्ती। जिले के शासकीय उद्यान रोपणियों और गांवों की अमराइयों में इन दिनों आम के बौरों की सुगंध फैलने लगी है। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष आम के पेड़ों पर मंजरियां अधिक सघन, स्वस्थ और प्रचुर मात्रा में दिखाई दे रही हैं। अनुकूल मौसम और पेड़ों पर अच्छी मंजरियों को देखते हुए इस साल आम के बेहतर उत्पादन की संभावना जताई जा रही है। जिले में आम की प्रमुख किस्मों में दशहरी आम, चौसा आम, आम्रपाली आम और लंगड़ा आम के पेड़ इन दिनों पूरी तरह फूलों से लदे हुए हैं। खेतों और बगीचों में आम के बौर आने से किसानों के चेहरे पर भी खुशी नजर आ रही है। उद्यानिकी विभाग ने किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक सलाह भी जारी की है। विभाग के अनुसार यदि किसान समय-समय पर बगीचों का उचित प्रबंधन करें तो आम की उपज में लगभग 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि की जा सकती है।

होली के दिन छेड़छाड़ और मारपीट, युवक गिरफ्तार

रायगढ़। महिला थाना रायगढ़ ने होली के दिन युवती से छेड़छाड़ और मारपीट करने वाले आरोपी को त्वरित कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया।

4 मार्च को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गांव निवासी बृजेश मंहत (26 वर्ष) नहाने के दौरान उसके पास घुसा और छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसने युवती को हाथ और थप्पड़ मारे। शोर मचाने पर मौके पर आई पीड़िता की मां और पिता के साथ भी आरोपी ने धक्का-मुक्की की और भाग गया। महिला थाना के नव पदस्थ उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

बृजेश दास मंहत पिता सुकरीत दास मंहत निवासी जूटमिल थाना क्षेत्र रायगढ़ को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त, सहायक उप निरीक्षक विल्फ्रेड मसीह, प्रधान आरक्षक संदीप भगत, राजेश उरांव और महिला थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरगुजा में सहकारी बैंक से पैसा निकालने किसान परेशान

सरगुजा। जिले में धान बेचने वाले किसानों को सहकारी बैंक से पैसा निकालने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। किसानों को दिनभर लाइन में लगने के बाद मात्र 20 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। सहकारी बैंक में किसानों की लंबी लाइन लग रही है।

बैंक में कर्मचारियों की कमी के कारण भी किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। सहकारी बैंक प्रबंधन का कहना है कि बैंकों को लिमिट में रुपए मिल पाने के कारण यह स्थिति बन रही है।

सरगुजा में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को अपना पैसा निकालने में दिक्कत हो रही है। शुक्रवार को सहकारी बैंक, आकाशवाणी चौक की शाखा में किसानों की लंबी लाइन लगी रही। किसानों ने बताया कि रोज पैसा निकालने के लिए घंटों लाइन में इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने इस परेशानी की जानकारी अधिकारियों को भी दी। बैंक में लंबी लाइन में लगे किसानों ने बताया कि उन्होंने लाखों रुपए का धान बेचा है, लेकिन बैंक से केवल 20 हजार रुपए ही नकद दिए जा रहे हैं। इसके लिए भी उन्हें घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। बैंक में एक बार 20 हजार रुपए निकालने के बाद उन्हें चार दिन बाद अपना पैसा निकालने के लिए कहा जाता है। इससे किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि जिनके घरों में शादी है, उन्हें भी ज्यादा पैसा नहीं मिल पा रहा है। इसके कारण किसान परेशान हो रहे हैं।

बकाया वसूली के लिए सख्त हुआ बिजली विभाग 70 उपभोक्ताओं के काटे कनेक्शन

जांजगीर। नैला जोन में लंबे समय से नहीं भरा बिजली बिल को लेकर बिजली विभाग एक्शन मोड में आया है। शहर सहित आसपास गांव में ही 5 करोड़ का बकाया पर फिर से ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी गई। इस दौरान विभाग ने 5 दिन में 85 उपभोक्ताओं की लाइन काटने की कार्रवाई की गई। साथ ही 35 उपभोक्ताओं से 7 लाख रुपए की वसूली की गई। विभाग की मानें तो यह कार्रवाई आगे लगातार जारी रहेगी। 10 हजार से अधिक बकायादारों की लाइन काटने की कार्रवाई की जा रही है।

ज्ञात हो कि जांजगीर-नैला जोन में ढिलाई बरतने के कारण जिले में बिजली बिल पटाने लोग ध्यान नहीं दे रहे थे। विभाग की सुस्ती की वजह से बकायादार बिजली बिजली बिल पटाने को लेकर तैयार ही नहीं हैं। अब बिजली विभाग वसूली के लिए ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है। बल्कि सख्त रवैया भी अपना अभियान चलाया जा रहा है। शुरूआती चरण में सभी बकायादारों को बिजली विभाग द्वारा समझाइश दी गई।

समझाइश के बाद भी बिल पटाने को लेकर ये लोग तैयार नहीं हुए। इसके बाद बिजली विभाग 10 हजार से अधिक बकायादारों की सूची तैयार कर ली गई है। ऐसे बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की बकाया राशि 5 करोड़ रुपए की सूची जारी किया गया। साथ ही स्वयं अधीक्षण यंत्री अमर चौधरी के निर्देशन में चांपा जोन सघन विद्युत विच्छेदन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें टीमों का गठन किया गया है।

ये शहर में सूची लेकर घर-घर दस्तक दिए है। साथ ही इसके अलावा टीम हर रोज दस्तक दे रहे हैं। इस दौरान 85 उपभोक्ताओं की लाइट काटी गई। जिसकी कुल राशि 15 लाख रुपए बकाया है। यह मेगा अभियान आगे पूरे जिले भर में चलाई जाएगी। ताकी पहाड़ सा बकाया को पूरा किया जा सके। इस दौरान पैसा जमा करने की स्थिति में लाइट नहीं काटी जाएगी। तीन दिन पहले उडनदस्ता टीम जिला मुख्यालय में उतरे तो एक ही दिन जोन में बड़ी कार्रवाई की गई। इसमें 70 उपभोक्ताओं से 7 लाख रुपए का डिस्कनेक्शन अटेंड किया गया। जिसमें 85 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई। सीएसपीडीसीएल के एई कमलेश डेहरे ने बताया कि सामान्य बकायादारों की कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। 50 हजार से ऊपर बकायादारों का कनेक्शन काटा जा चुका है। अब 10 हजार से ऊपर बकायादारों का कनेक्शन काटा जाएगा। इसके अलावा कनेक्शन काटने की कार्रवाई जो चुकी है, वो अगर दोबारा जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहे हैं तो उस पर भी धारा 138 की कार्रवाई की जाएगी।

लीलागर नदी में मिला लापता ग्रामीण का शव

बिलासपुर। जिले के मस्तूरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मल्हार चौकी की लीलागर नदी में गुरुवार सुबह एक ग्रामीण का शव मिला। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। नदी किनारे पहुंचे ग्रामीणों ने पानी में तैरते शव को देखा। उन्होंने तुरंत अन्य ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला। मृतक की पहचान मल्हार वार्ड नंबर 10, नंदमहल इमलीपारा निवासी 59 वर्षीय ईश्वर केंवट के रूप में हुई है। उनके पिता का नाम छोटू केंवट है। परिजनों के अनुसार, ईश्वर केंवट 2 मार्च की शाम करीब 5 बजे से अग्रवाल के फार्म हाउस से लापता थे। परिजन और ग्रामीण लगातार उनकी तलाश कर रहे थे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2026 दिनांक 25.02.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	जैतखाम्ब के पास सामुदायिक भवन एवं मंच निर्माण सुभाष ब्लॉक एमडी कॉलोनी के पीछे वार्ड क्र. 28 (अ.जा. वि.प्रा. मद) (द्वितीय निविदा)	15.00	16.03.2026 **(T.No.186270)**

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट **www.korbamunicipal.in** पर भी देखी जा सकती है।

//स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें//

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय नगर पंचायत सारागांव, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

क्रमांक/1113/प्र.मं.आ.यो./न.पं./2025-26 सारागांव, दिनांक 06.03.26

-:: दावा आपत्ति आमंत्रण सूचना ::-

छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर का पत्र क्रमांक : PROJ-201/32/2025-UAD नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 23.01.2026 के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी-2.0 अंतर्गत आबादी (प्रचलित/सुरक्षित) भूमि पर काबिज हितग्राहियों को निर्धारित दिशा-निर्देश अनुसार कट-ऑफ तिथि, दिनांक 31 अगस्त 2024 के पूर्व काबिज हितग्राहियों के आवेदन पत्रों पर नगर पंचायत सारागांव द्वारा हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर सर्वेक्षणकर्ता द्वारा सत्यापन किया जाकर डीपीआर आबादी भूमि/पट्टाधारी का कुल .... हितग्राहियों की प्रथम सूची तैयार की गई है सूची संलग्न है। उक्त हितग्राहियों का काबिज, विवादमुक्त होने पर उक्त हितग्राहियों का आवास स्वीकृकिया गया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को प्रकाशित सूची में किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर नगर पंचायत सारागांव कार्यालय में उपस्थित होकर लिखितमय दस्तावेज आपत्ति दर्ज करायी जा सकती है। उक्त तिथि के उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सूचना जाने।
संलग्न - उपरोक्तानुसार हितग्राहियों की सूची

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत सारागांव
जिला- जांजगीर चांपा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202602050600040
श्रेणी-अ-06/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्याम सुन्दर अग्रवाल, निवासी- मकान नंबर 234, श्याम ट्रेडर्स, पावर हाउस रोड कोरबा, तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ख.नं.335/12 रकबा 0.10 ए./0.040 हे. भूमि व उक्त पर निर्मित मकान आवेदक एवं अनावेदकगण/सहखातेदार प्रदीप अग्रवाल, सुमन केडिया दोनों पिता स्व. श्याम सुन्दर अग्रवाल के नाम पर संयुक्त खाते में राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। अनावेदकगण के द्वारा उक्त भूमि का आवेदक के पक्ष में पंजीकृत हकत्याग विलेख दिनांक 21.01.2026 को निष्पादित किया गया है। आवेदक हकत्याग विलेख के आधार पर उक्त भूमि से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने बाबत् छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 109, 110 के तहत इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 12.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

अनमोल वचन......

जीवन खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सृजन की प्रक्रिया है।

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।

ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को सुरक्षित एवं निष्क्रिय मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है।

इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा। आज अपनी वाणी में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है।

मिथुन : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाए आज ऑलाईन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यो की सराहना होगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा। आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा। आज आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं। आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप सेंसिटिव हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा। आज ऑफिस में नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से बचना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने पढ़ाई पर पूरा फोकस रखने की जरूरत है।

कुंभ राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी। दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, आप अपने आप में काफी अच्छा महसूस करेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। भाई-बहन के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा। आज घर में धार्मिक कार्य आयोजित हो सकता, जिससे खुशी का माहौल बना रहेगा।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था

//श्रुति व्यास//

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है। इजराइल-अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज़ जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य-पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाज़ार से लेकर करेंसी बाज़ार, जहाज़रानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है?

तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है।

इस विश्वास को समय-समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड-19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेज़ी से लौट आया। कंटेनर जहाज़ों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज़ हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया।

लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाज़ारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है।

यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा-रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू-राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है।

ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू-राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति-राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है। भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है।

यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेज़ी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू-राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है। 2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू-राजनीतिक हिसाब-किताब से अलग नहीं रहे।

बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू-राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं।

ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं।

यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।

हालांकि वैश्वीकरण एक युद्ध से समाप्त नहीं होगा। लेकिन आज वह पहले की तुलना में अधिक नाजुक निश्चित ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि यह केवल व्यापार मार्गों का जाल नहीं था। यह बड़ी शक्तियों के बीच एक वैश्विक गाँव के भीतर राजनीतिक अनुशासन पर भी टिका है।

और अनुशासन जब कमजोर पड़ने लगता है, तो व्यवस्था तुरंत नहीं टूटती, लेकिन उसका असुरक्षित होना स्पष्ट दिखाई देने लगता है। ऐसे क्षणों में भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य धारा नहीं लगता, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था जैसा दिखाई देता है जो परिस्थितियों पर निर्भर है—और लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। समय कभी भी पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार देता है, जैसा वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी इस समय दिखलाई दे रहा है।

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

//रजनीश कपूर//

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है। 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए। सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है। गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, विरासत को बचाओ।

यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यक्रमों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ़ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।

ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा 'लॉफ्ट', ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं कि कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की 'कैरियर पिजन सर्विस' इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

तस्वीरों की दुनिया

बिहार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सम्राट चौधरी पटना में बीजेपी नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का नया गवर्नर बनाए जाने पर बधाई देते हुए।

नेपाल के आम चुनावों के नतीजों की घोषणा से पहले, काठमांडू, नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के समर्थक चुनाव आयोग के बाहर पार्टी के चुनाव निशान घंटी बजाते हुए।

जम्मू और कश्मीर के बडगाम में कश्मीर घाटी में लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच खामेनेई की हत्या के विरोध में लोग ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरें को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के फ़ैसले के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन के दौरान जदयू के कार्यकर्ता दीवार पर काली स्याही पोतते हुए। इस कदम को राज्य की राजनीति में उनके ढाई दशक से ज्यादा लंबे समय के अंत के तौर पर देखा जा रहा है।

आज इस तस्वीर में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और दूसरे लोग केरल के इडुक्की ज़िले के कुट्टिकनम में मैरियन कॉलेज में स्टूडेंट्स के साथ बातचीत करते हुए।

ईरान पर होगा बड़ा हमला? ब्रिटिश ठिकानों पर अमेरिकी बी-2 स्टील्थ बमवर्षकों की तैनाती से हलचल, ट्रंप दे चुके हैं धमकी

ब्रिटेन, 07 मार्च [एजेंसी]।

अमेरिकी स्टील्थ बमवर्षक विमानों के ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर पहुंचने की आशंका बढ़ गई है, ठीक उसी समय जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बड़ा हमला या बड़ी लहर की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बमवर्षक जल्द ही ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड (ग्लूस्टरशायर) और भारतीय महासागर में डिएगो गार्सिया बेस पर उतर सकते हैं, जहां से अमेरिका-इजरायल संयुक्त अभियान को और मजबूती मिलेगी। द टेलीग्राफ और फॉक्स न्यूज जैसी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शुरुआत में अमेरिकी अनुरोध को ठुकरा दिया था, लेकिन ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद उन्होंने सीमित रक्षात्मक उद्देश्यों–ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल साइटों को नष्ट करने–के लिए ब्रिटिश बेस इस्तेमाल की अनुमति दे दी। यह फैसला कुछ दिनों पहले लिया गया, और बी-2 जैसे महंगे (प्रति विमान लगभग 2 अरब डॉलर) विमान कुछ दिनों में पहुंच सकते हैं।ट्रंप ने सोमवार को कहा, हमने अभी तक उन पर कड़े प्रहार शुरू भी नहीं किए हैं। बड़ी लहर अभी आई नहीं है, बड़ी लहर जल्द आने वाली है। उन्होंने ईरान पर हमले तेज करने की कसम खाई, जबकि युद्ध अब अपने सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने गुरुवार को कहा कि ब्रिटिश बेस की मदद से तेहरान पर हमलों की ताकत में भारी वृद्धि होगी, जिसमें अधिक बमवर्षक, लड़ाकू विमान और लगातार हमले शामिल हैं।इजरायली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एयाल ज़मीर ने शुक्रवार को कहा कि संयुक्त अभियान का अगला चरण शुरू हो रहा है, जिसमें ईरान की सैन्य क्षमताओं और शासन की नींव को और नष्ट किया जाएगा।

उन्होंने और भी चौंकाने वाली बातें होने का संकेत दिया, लेकिन विवरण नहीं दिए।यह अभियान ईरान की मिसाइल, नौसेना और परमाणु क्षमताओं को खत्म करने पर केंद्रित है। ईरान ने जवाब में इजरायल, गल्फ देशों और अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रिटिश बेस से ऑपरेशन तेज और प्रभावी होंगे, लेकिन यह युद्ध कितने समय चलेगा, यह अनिश्चित है।

मिडिल ईस्ट में कोहराम: 14000 से ज्यादा उड़ानें रद, लाखों यात्री फंसे

नई दिल्ली 7 मार्च। मध्य पूर्व में जारी सैन्य संघर्ष ने वैश्विक हवाई यातायात को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद से अब तक क्षेत्र के 10 प्रमुख देशों से लगभग 14,000 उड़ानें रद की जा चुकी हैं, जिससे लाखों अंतरराष्ट्रीय यात्री फंस गए हैं। फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, युद्ध की आशंका और सुरक्षा कारणों से 10 देशों ने समय-समय पर अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा है। दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक, दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों में 85 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है।कतर और शारजाह दोहा (कतर) से 94 प्रतिशत और शारजाह से लगभग 90 प्रतिशत उड़ानें रद्द हुई हैं, जिससे खाड़ी देशों का संपर्क दुनिया से लगभग कट गया है। **नागरिकों की वतन वापसी:** अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक 17,500 अमेरिकी नागरिक वापस लौट चुके हैं, जबकि 3 लाख से अधिक ब्रिटिश नागरिक अब भी इस क्षेत्र में मौजूद हैं। क्षेत्र में भारी अनिश्चितता के बीच एक सकारात्मक संकेत यह है कि दुबई, अबू धाबी और रियाद के हवाई अड्डों ने बुधवार से अपना परिचालन धीरे-धीरे फिर से शुरू कर दिया है।

डीपफेक और सेक्सटॉर्शन के खिलाफ जंग लड़ेगी डिजिटल सहेली

गुरुग्राम। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते साइबर अपराधों, खासकर डीपफेक और सेक्सटार्शन के मामलों से निपटने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने 'डिजिटल सहेली' नाम से विशेष सेल शुरू की है। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के निर्देशन में महिला थाना सेक्टर-51 में इस विशेष सेल की स्थापना की गई, जिसका अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर शुभारंभ साउथ सिटी-2 स्थित निरवाना पैटियो क्लब में शुक्रवार को किया गया। यह सेल एंटी-डीपफेक और सेक्सटॉर्शन रैपिड रिस्पान्स यूनिट के रूप में कार्य करेगी। इसके माध्यम से सोशल मीडिया या डिजिटल प्लेटफार्म पर महिलाओं की मार्फ्ड फोटो, वीडियो या अन्य आपत्तिजनक सामग्री से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। गुरुग्राम की महिलाएं घर बैठे ही हेल्पलाइन नंबर 9999981002 पर कॉल करके महिला खिलाफ साइबर अपराध से संबंधित अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं।पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस हेल्पलाइन पर आठ महिला पुलिसकर्मियों की विशेष टीम 24 घंटे तैनात रहेगी, जो पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि महिलाएं बिना किसी डर के अपनी समस्या साझा कर सकें। इसके साथ ही गुरुग्राम पुलिस के चैटबॉट नंबर 91 95999 64777 के माध्यम से भी डिजिटल सहेली समेत पुलिस से जुड़ी अन्य सेवाओं की जानकारी ली जा सकती है।

राम नगरी में Big-B का बड़ा निवेश, 35 करोड़ रुपये में खरीदी 2.67 एकड़ जमीन

अयोध्या। चमकती, दमकती और चहकती अयोध्या... ने एक बार फिर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का ध्यानाकर्षण किया है। द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के नाते अभिनेता अमिताभ बच्चन का संबंध अयोध्या से और मजबूत हुआ है। उन्होंने द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा में 35 करोड़ में 2.67 एकड़ भूमि खरीदी है। इस लेनदेन को एबी कार्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेश यादव ने संपन्न कराया। यह भूमि अयोध्या में सरयू नदी के तट पर स्थित द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा की 75 एकड़ की भूमि परियोजना 'द सरयू' के पास है।इससे पहले अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के प्रोजेक्ट द सरयू में साल 2024 में जनवरी माह में लगभग 10 हजार वर्ग फीट भूमि खरीदी थी, जिसकी कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये थी। द सरयू सात सितारा मिक्स्ड-यूज एन्क्लेव है, जो सरयू नदी के किनारे स्थित है।उन्होंने यह खरीदारी रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा से ठीक पहले की थी। ताजा भूमि सौदा अयोध्या के तेजी से उभरते उच्च-क्षमता वाले निवेश गंतव्य के रूप में उनके भरोसे को भी दर्शाता है। आधारभूत ढांचा विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और बड़े पैमाने पर हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के कारण अयोध्या देश का सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और रियल एस्टेट केंद्र बन गई है। पर्यटन में लगातार वृद्धि और उच्च स्तरीय नागरिक सुविधाएं इसे दीर्घकालिक भूमि निवेश के लिए आकर्षक बना रही हैं। द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के चेयरमैन अभिनंदन लोढ़ा ने बयान निर्गत कर कहा कि बच्चन का यह निवेश भूमि को पीढ़ीगत संपत्ति के रूप में देखने की साझा सोच को दर्शाता है, जो दीर्घकाल में मूल्य को सुरक्षित रखती है।

अमित शाह के उत्तराखंड दौरे को लेकर देहरादून में हाई अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद

देहरादून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के शनिवार को प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। दौरे से एक दिन पूर्व शुक्रवार को जिलाधिकारी सविन बंसल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने डोईवाला से हरिद्वार जनपद की सीमा तक सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।अधिकारियों ने कार्यक्रम से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और एसएसपी ने रायवाला स्थित होटल गाडविन का भी दौरा किया। केंद्रीय गृहमंत्री यहां अल्प विश्राम करने के साथ ही पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने होटल तक जाने वाले संपर्क मार्ग, पार्किंग व्यवस्था और होटल परिसर की आंतरिक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।होटल में विद्युत व्यवस्था, एयर कंडीशनिंग, फायर सेफ्टी, लिफ्ट, ग्रीन रूम, रेस्ट रूम, मीटिंग हाल और पार्किंग समेत सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रशासन ने होटल प्रबंधन को फायर सेफ्टी आडिट तत्काल कराने के निर्देश दिए, जबकि विद्युत विभाग को जेनसेट के साथ वैकल्पिक बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम से जुड़ी लाजिस्टिक व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को गुरुवार शाम तक सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश देते हुए सेफ्टी सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने को भी कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी से काम करें।

लुधियाना में एसबीआई के 119 ATM से छेड़छाड़ कर करोड़ों रुपए की ठगी, कोर्ट के आदेश पर FIR दर्ज

लुधियाना, 07 मार्च [एजेंसी]।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के एटीएम के साथ छेड़छाड़ कर करोड़ों रुपये की ट्रांजेक्शन करने वाले शातिर साइबर ठगों के खिलाफ आखिरकार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। लुधियाना में एसबीआई के 119 एटीएम को निशाना बनाकर करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सेशन कोर्ट के आदेशों के बाद की गई है। पुलिस ने एसबीआई ट्रेजरी ब्रांच के मैनेजर अविनाश कुमार की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 के दौरान शहर में स्थित एसबीआई के कई एटीएम में संदिग्ध ट्रांजेक्शन सामने आने लगे थे। इसके बाद बैंक प्रबंधन ने मामले की आंतरिक जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि अज्ञात ठगों ने 119 अलग-

अलग एटीएम मशीनों से छेड़छाड़ कर एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम की ट्रांजेक्शन कर ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बैंक की ओर से उपलब्ध कराए गए डाटा और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। जल्द ही इस गिरोह का राजफाश किया जाएगा। जांच में सामने आया कि यह शातिर गिरोह पहले एटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर नकदी निकालने का प्रयास करता था। इसके बाद तकनीकी गड़बड़ी का हवाला देते हुए बैंक शाखा में शिकायत दर्ज करवाता था कि मशीन से पैसा नहीं निकला।

शिकायत के आधार पर बैंक की ओर से रकम वापस कर दी जाती थी। आरोप है कि इसी तरीके को अपनाकर गिरोह ने अलग-अलग एटीएम से कई बार ट्रांजेक्शन की और बैंक को करोड़ों रुपये का चूना लगा दिया।मामले की जांच के दौरान बैंक टीम ने उन ट्रांजेक्शन में इस्तेमाल हुए कार्ड और संबंधित बैंक खातों का डाटा इकट्ठा किया। साथ ही सभी एटीएम की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली गई ताकि आरोपितों की पहचान की जा सके।बैंक अधिकारियों के अनुसार, मामले की शिकायत पहले भी पुलिस को दी गई थी, लेकिन कार्रवाई में तेजी नहीं आई। इसके बाद एसबीआई प्रबंधन ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। सेशन कोर्ट के आदेश के बाद अब थाना साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरदोई में शर्मनाक घटना: पति की मौजूदगी में महिला के हाथ-पैर बांधकर ससुर, देवर और ननदोई ने की दरिंदगी

हरदोई। आठ मार्च को होने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा पर चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन हकीकत कुछ और ही है। बाहर की बात छोड़ें अभी भी कई क्षेत्रों में घरेलू हिंसा नहीं थम रही है। लोनार क्षेत्र में महिला के रस्सी से बंधे हाथ पैर और मुंह में ठुंसे कपड़े की हकीकत जो भी हो, पर तस्वीर ही बहुत कुछ बयां कर रही है। घर के अंदर संदिग्ध हालत में चारपाई से बंधी मिली महिला के ससुरालीजन तो मौके पर नहीं मिले, पर उनके ऊपर महिला ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं।उसका कहना है कि पति की मौजूदगी में ही उसके ससुर-देवर और ननदोई ने उसके साथ दुष्कर्म भी किया। हालांकि पुलिस घरेलू विवाद में मारपीट कर हाथ पैर बांधने की बात कह रही है।ठेहापुर की एक महिला ने बताया कि उसका पति से विवाद चल रहा है। पति के दूसरे महिला से संबंध हैं, इसलिए वह उसे छोड़ना चाहता है। इसके बावजूद वह बच्चों के साथ घर में रहती है। जैसा कि महिला का आरोप है कि गुरुवार की रात ससुर, देवर और ननदोई ने उसके साथ मारपीट की। कमरे में रखी चारपाई में रस्सी से हाथ- पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ तीनों ने दुष्कर्म किया।घटना के समय उसका पति मौजूद था, लेकिन ने पति ने उसे नहीं बचाया। बेहोश होने पर आरोपित से कमरे में बंधा छोड़कर फरार हो गए। शुक्रवार की सुबह पड़ोसी का एक बच्चा उसके घर पहुंचा, बच्चे ने महिला को कमरे में बंधे पड़ा देखकर घरवालों को जानकारी दी। जानकारी होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों ने एंबुलेंस से महिला को पाली पीएचसी भिजवाया। किसी ने रस्सी से बंधी महिला का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर भी प्रसारित कर दिया। उपचार के दौरान होश में आने पर महिला ने अस्पताल कर्मियों को आपबीती सुनाई।चिकित्सक ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में सीओ हरपालपुर सत्येंद्र सिंह का कहना है कि सास-ससुर, देवर व ननदोई ने महिला के साथ मारपीट की है। हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसने से वह बेहोश हो गई थी। उपचार के लिए महिला को भर्ती कराया गया है। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में विशेष समुदाय की युवती पर रंग भरा गुब्बारा गिरा तो पीट-पीटकर युवक को मार डाला, छावनी बना इलाका

वेस्ट दिल्ली, 07 मार्च [एजेंसी]।

होली के दिन द्वारका के उत्तम नगर इलाके में पानी का गुब्बारा गिरने को लेकर हुए खूनी संघर्ष में 26 साल के युवक तरुण की मौत हो गई। शुक्रवार को इलाके में तनाव फैल गया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उत्तम नगर थाने का घेराव कर दिया और सड़क पर धरना दे दिया। प्रदर्शन के दौरान गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर के बाहर खड़ी एक कार और मोटरसाइकिल में आग लगा दी। हालांकि, समय रहते फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया और उसे फैलने से रोक दिया। हालात की गंभीरता को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात कर दी गई है। फायर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि कंट्रोल रूम को शुक्रवार दोपहर करीब 2.02 बजे एक कार और मोटरसाइकिल में आग लगने की कॉल मिली। फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाई। फायर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।बताया जा रहा है कि बुधवार होली के दिन शाम करीब 4 बजे जेजे कॉलोनी में एक घर की बालकनी से पानी का गुब्बारा फिसल गया। गुब्बारा नीचे खड़ी दूसरे समुदाय की एक महिला पर जा गिरा।परिवार वालों का कहना है कि लड़की और उसके परिवार

वालों ने तुरंत माफी मांगी, लेकिन महिला ने गाली-गलौज की और तुरंत अपने समुदाय के कई लोगों को इकट्ठा कर लिया। इसके बाद आरोपी पीड़ित के घर में घुस गए, तोड़फोड़ की और महिलाओं के साथ मारपीट की।मृतक के चाचा रमेश ने बताया कि तरुण को पिछले झगड़े के बारे में पता नहीं था और वह अपने दोस्तों के साथ होली खेलकर घर लौट रहा था। जैसे ही वह गली में घुसा, लाठी-डंडों और पत्थरों से लैस आठ से दस लोगों ने उसे घेर लिया। आरोपियों ने उसे बुरी तरह पीटा और जब वह गली में गिरा तो उसके सीने पर भारी पत्थर से वार किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।शुक्रवार को जब लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया और पुलिस स्टेशन को घेर लिया गया, तो पुलिस प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने मर्डर के चार्ज में केस दर्ज किया है और चार आरोपियों को अरेस्ट करने और एक नाबालिग को हिरासत में लेने का दावा किया है। दूसरे आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। मृतक की बहन का आरोप है कि घटना के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे थे, लेकिन बढ़ते दबाव में पुलिस ने घटना के 24 घंटे बाद उन्हें अरेस्ट किया। इस घटना से सोशल मीडिया पर भी काफी गुस्सा है। इस बीच, एक हिंदू पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन ने पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए सभी आरोपियों को तुरंत अरेस्ट करने की मांग की है। इलाके को कैंटोनमेंट घोषित कर दिया गया है, और सेंसिटिव सड़कों पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जा रही है।फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि आग लगी गाड़ियों पर काबू पा लिया गया है और हिंसा में कोई और घायल नहीं हुआ है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

राजस्थान के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में तीन साल तक नहीं होगी संपत्ति की खरीद-फरोख्त, नए बिल को मिली मंजूरी

जयपुर 07 मार्च। गुजरात की तर्ज पर राजस्थान सरकार ने भी राज्य में सांप्रदायिक तनाव या दंगा प्रभावित क्षेत्रों को डिस्टर्ब एरिया (अशांत क्षेत्र) घोषित करने के लिए राजस्थान डिस्टर्ब्ड एरियाज प्रोटेक्शन बिल, 2026 मंजूरी दे दी है।इस कानून के तहत, अशांत घोषित किए गए इलाकों में तीन साल तक अचल संपत्ति (घर, दुकान, जमीन) की खरीद-फरोख्त पर रोक रहेगी, जिसे सक्षम अधिकारी (एसडीएस) की अनुमति से ही किया जा सकेगा। विधेयक में प्रविधान किया गया है कि दंगा प्रभावित क्षेत्रों को सरकार अशांत क्षेत्र घोषित कर सकेगी। एसडीएस की बिना अनुमति के किसी भी संपति की खरीद-फरोख्त के सौदे को शून्य घोषित किया जा सकेगा।समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ना और डेमोग्राफी प्रभावित होना भी अशांत क्षेत्र घोषित करने का आधार होगा। अशांत क्षेत्र में बाजार दर से कम पर संपति नहीं बिक सकेगी।ऐसे क्षेत्रों में एसडीएस की मंजूरी के बाद ही संपति का स्थानांतरण हो सकेगा। एसडीएस इस संबंध में तीन माह में फैसला लेगा। प्रविधानों का उल्लंघन करने पर तीन से पांच साल तक जेल और एक लाख रुपये का जुर्माना हो सकेगा।बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं में गिरवी रखी संपति कानून के दायरे में नहीं आएगी। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में कई अशांत क्षेत्र हैं। जोधपुर में एक ऐसा क्षेत्र है जहां अन्य कोई प्रवेश नहीं कर सकता है।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के विवादित बोल, बोले- ज्ञानेश कुमार सीईसी नहीं होते तो मैं उनकी उंगलियां काट देता

कोलकाता 07 मार्च। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने शुक्रवार को ज्ञानेश कुमार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की कुर्सी पर नहीं होते तो मैं उनकी उंगलियां काट देता। कोलकाता के धर्मतल्ला में एसआईआर के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के धरना कार्यक्रम से कल्याण बनर्जी ने यह बात कही।उन्होंने कहा कि जब पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गई थीं तो उन्होंने उनके साथ बदतमीजी की। वह ममता बनर्जी से उंगली दिखाकर बात कर रहे थे। उस समय मैं भी ममता के साथ था। टीएमसी सांसद ने कहा कि तब मुझे इतना गुस्सा आया कि अगर ज्ञानेश कुमार सीईसी की कुर्सी पर नहीं होते तो मैं उनकी उंगलियां काट देता। कल्याण यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि आप गृह मंत्री अमित शाह की दया पर आए हो। आप सहकारिता सचिव थे। मुझे पता है आपके पास कितना ज्ञान है। तृणमूल सांसद की टिप्पणी पर प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि जो लोग मुख्य चुनाव आयुक्त की उंगलियां काटने की बात कर सकते हैं, वे आम मतदाताओं का गला काटेंगे। अगर नेता खुद ऐसी बातें कहेंगे, तो उनके समर्थक क्या कहेंगे। इससे पहले टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शिकायत की थी कि वह बैठक में उंगली दिखाकर बात कर रहे थे, लेकिन उन्होंने उन्हें उंगली नीचे करने को कहा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि ज्ञानेश कुमार निर्वाचित नहीं बल्कि मनोनीत हैं। इससे पहले, कल्याण बनर्जी ने चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तो ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संवैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर तृणमूल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी।

पंजाब में सस्ती होगी बिजली, 1.5 प्रति यूनिट तक की कमी, 1 अप्रैल से लागू होंगी नई दरें

चंडीगढ़, 07 मार्च [एजेंसी]।

पंजाब के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (पीएसईआरसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसटीसीएल) के नए टैरिफ ऑर्डर जारी कर दिए हैं। आयोग के चेयरमैन विश्वजीत खन्ना (आईएएस सेवानिवृत्त) और सदस्यों इंजीनियर रविंदर सिंह सैनी (तकनीकी) व रवि कुमार (कानूनी) की ओर से जारी आदेशों के अनुसार नई बिजली दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होकर 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी। इस बार आयोग ने बिजली दरों में समग्र रूप से कमी करते हुए राज्य के उपभोक्ताओं को करीब 7851.91 करोड़ रुपये की राहत देने का फैसला किया है। आयोग का कहना है कि पीएसपीसीएल की कार्यक्षमता में सुधार और वित्तीय स्थिति को देखते हुए यह राहत संभव हो सकी है। इससे घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में कमी आएगी।आयोग के अनुसार पीएसपीसीएल ने अपने एआरआर (एनुअल रेवेन्यू रिक्वायरमेंट) में वर्ष 2026-27 तक 453 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे की बात कही थी और उसी आधार पर टैरिफ बढ़ाने का अनुरोध किया था। हालांकि आयोग ने विस्तृत जांच के बाद पाया कि वर्ष 2024-25 के ट्रू-अप और वर्ष 2026-27 के अनुमानित आंकड़ों के आधार पर 7851.91 करोड़ रुपये का सरप्लस बन रहा है। इसी कारण उपभोक्ताओं को राहत देते हुए नई दरें तय की गई हैं।नई व्यवस्था के तहत घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए दरों में कमी की गई है। उदाहरण के तौर पर 2 किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शन पर 300 यूनिट तक बिजली की दर 5.40 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 3.85 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है। इसी तरह 300 यूनिट से अधिक खपत पर दर 7.75 रुपये से घटाकर 7.05 रुपये प्रति यूनिट तय की गई है। व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को भी राहत दी गई है। छोटे उद्योगों के लिए ÷स्मॉल पावर÷ की सीमा 20 किलोवाट से बढ़ाकर 50 किलोवाट कर दी गई है, जिससे छोटे कारोबारियों को अपने काम का विस्तार करने में सुविधा मिलेगी। आयोग का कहना है कि यह कदम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए बिजली दर घटाकर 5 रुपये प्रति केवीएएच कर दी गई है, जो देश में सबसे कम दरों में से एक बताई जा रही है।

इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ने की उम्मीद है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।इसके अलावा पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल में पंजीकृत वकीलों के कोर्ट परिसर में बने चैंबरों के बिजली कनेक्शन को अब घरेलू श्रेणी में शामिल किया जाएगा। इसी तरह पर्यटन विभाग में पंजीकृत बीएनबी और होम-स्टे इकाइयों को भी, यदि वे बिजली का उपयोग केवल घरेलू उद्देश्यों के लिए करते हैं, तो घरेलू श्रेणी की दरों का लाभ मिलेगा।आयोग ने यह भी बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए औसत बिजली लागत (एसीओएस) 7.15 रुपये प्रति यूनिट से घटकर 6.15 रुपये प्रति यूनिट आंकी गई है। इससे बिजली व्यवस्था की लागत कम होने का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। कुल मिलाकर नए टैरिफ आदेश का उद्देश्य बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति को संतुलित रखते हुए आम उपभोक्ताओं, उद्योगों और व्यापारियों को राहत देना है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र दोनों को मजबूती मिल सके।

अनिल अंबानी और रिलायंस पावर पर ईडी का शिकंजा, मुंबई में बड़े पैमाने पर छापेमारी

मुंबई 07 मार्च। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार तड़के कई हाई-प्रोफाइल छापे मारे हैं, जिनमें उद्योगपति अनिल अंबानी और रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े विभिन्न व्यवसायों और व्यक्तियों को निशाना बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई भर में 10 से 12 स्थानों पर छापेमारी जारी है, जिसमें लगभग 15 विशेषीकृत ईडी इकाइयों की एक टीम ने तड़के तलाशी शुरू की। ये छापेमारी बिजली कंपनी से जुड़े लोगों के पंजीकृत कार्यालयों और आवासीय परिसरों पर केंद्रित है।यह कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की व्यापक जांच का हिस्सा है। हालांकि एजेंसी ने अभी तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार ये तलाशी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर और लेनदेन की जांच का हिस्सा हैं। पिछले ही महीने फरवरी 2026 में, ईडी ने अनिल अंबानी पर बड़ी कर्रवाई की थी। जिसमें अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर, अबोड अस्थायी रूप से जब्त कर लिया था। इस घर की अनुमानित कीमत 3,500 करोड़ रुपये बताई जाती है। यह जब्ती रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले की लंबे समय से चल रही जांच के सिलसिले में की गई थी।

कुख्यात सूदखोर राजू खान गिरफ्तार, आदिवासी परिवार से 20 लाख की ठगी का मामला

सीएमपीएफ राशि निकलवाकर खाते में डलवाई रकम

कोरिया पुलिस की कार्यवाही से सूदखोरों में हड़कंप

चरचा कॉलरी। जिला कोरिया के थाना पटना क्षेत्र में आदिवासी परिवार से लाखों रुपये की ठगी और अवैध सूदखोरी के मामले में पुलिस ने कुख्यात सूदखोर राजू खान उर्फ मो. जमील सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना पटना में अपराध क्रमांक 68/2026 एवं 69/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में मो. जमील उर्फ राजू खान (45 वर्ष) निवासी डबरीपारा बैकुण्ठपुर, राजेश कुर्रे उर्फ पप्पू कुर्रे (42 वर्ष) निवासी ग्राम सोरगा भण्डारपारा थाना पटना तथा सुनीता कुमारी सिंह (40 वर्ष) निवासी हिरागीर दफाई हल्दीबाड़ी चिरमिरी, हाल मुकाम सुभाष नगर चरचा शामिल हैं।

प्रकरण के आवेदक जीतन और जगजीवन, जो उरांव आदिवासी समुदाय से हैं और पाण्डवपारा थाना पटना क्षेत्र के निवासी हैं, को आरोपियों ने छलपूर्वक अपने झांसे में लिया। आरोप है कि जीतन के सीएमपीएफ खाते से लगभग 15 लाख रुपये तथा जगजीवन के खाते से 8 लाख 71 हजार 250 रुपये निकलवाकर कुल करीब 20 लाख रुपये सुनीता कुमारी सिंह के खाते में जमा करवाए गए। बाद में यह राशि सुनीता के खाते से निकालकर मुख्य आरोपी राजू खान ने अपने पास रख ली। पुलिस ने आरोपी राजू खान से 15,500 रुपये नगद भी जब्त किए हैं, जबकि मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चौबे के निर्देशन में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बैकुण्ठपुर राजेश साहू के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई। टीम में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पाण्डेय, सहायक उपनिरीक्षक इन्द्रजीत सिंह सहित पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विदित हो कि राजू खान जिले का कुख्यात सूदखोर है और उसके विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। विशेषकर कोयलांचल क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को वह ऊंचे ब्याज पर बड़ी रकम उधार देता था। सूत्रों के अनुसार कई कर्मचारियों को उसने 10 से 15 लाख रुपये तक उधार देकर कागजी समझौते कर रखे हैं और प्रतिमाह लगभग 20 प्रतिशत की दर से भारी ब्याज वसूलता है। विशेष कर चरचा कालरी क्षेत्र में उसका सूद ब्याज का नेटवर्क बहुत ही व्यापक रूप से फैला हुआ है कोरिया जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में उसके विरुद्ध पूर्व में भी अपराध दर्ज हो चुके हैं और वह पहले भी जेल जा चुका है।इस घटना के बाद पुलिस और जागरूक नागरिकों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की आवश्यकता के लिए अवैध सूदखोरों से कर्ज लेने से बचें। आर्थिक जरूरत होने पर राष्ट्रीयकृत बैंकों, सहकारी बैंकों अथवा मान्यता प्राप्त वित्तीय संस्थाओं से ही ऋण लें, ताकि इस प्रकार की ठगी और शोषण से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार राजू खान के क्रियाकलापों से कई अन्य पीड़ित लोगों ने भी शीघ्र पुलिस प्रशासन के समझ जानकारी देने कार्यवाही करने की मां करने की बात कही है।

वरिष्ठ कार्टूनिस्ट जगदीश पाठक 2026 कार्टूनिस्ट शिरोमणिसम्मान से सम्मानित

मनेंद्रगढ़। रंगोउत्सव पर्व में ,राष्ट्रीय स्तर पर अपने सामाजिक विसंगतियों को अपने गुदगुदाते एवं चूटीले कार्टून के द्वारा सामने लाकर पहचान बना चुके वरिष्ठ व्यंग्यकार एवं कार्टूनिस्ट जगदीश पाठक उर्फ भतिजा मनेंद्रगढ़ी को- कार्टूनिस्ट शिरोमणि 2026 के विशेष सम्मान से विभूषित किया गया। जिला एमसीबी योग समिति के सौजन्य से आयोजित इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ व्यंग्यकार श्रवण कुमार उरमालिया थे। योग समिति के वरिष्ठ योग प्रशिक्षक एवं संयोजक सतीश उपाध्याय के संयोजन में आयोजित इस विशिष्ट सम्मान समारोह में अतिथियों का स्वागत योग समिति के सम्मानित सदस्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सहायक नेत्र अधिकारी आर डी दीवान , वनवासी विकास समिति के अध्यक्ष जगदंबा अग्रवाल, महिला समिति के प्रमुख बलवीर कौर, छत्तीसगढ़ योगासन फेडरेशन के युवा योग प्रशिक्षक विवेक कुमार तिवारी, समाज सैवक सुभाष अग्रवाल, परमानंद सिंह, कविता मंगतानी, रामसेवक विश्वकर्मा, समाजसेविका श्रीमती रूपा पोद्दार , कल्पना सिंह राजपूत, पिंकी सलूजा भैरव प्रसाद केशरवानी, नीलम दुबे कैलाश दुबे, राकेश कुमार अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, बबली सिंह, नवल किशोर सिंह अर्चना सेजपाल, आदि ने रोली चंदन एवं पुष्प कुछ के द्वारा उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रवण कुमार उरमालिया ने कहा कि योग का उल्लास से गहरा संबंध है, । उन्होंने इस आयोजन के माध्यम से साहित्य सर्जन के प्रोत्साहन के लिए योग समिति की प्रशंसा की। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं -कार्टूनिस्ट शिरोमणि 2026 -के सम्मान से सम्मानित मनेंद्रगढ़ निवासी जगदीश पाठक ने कहा - योग का क्षेत्र बहुत व्यापक है और यह बड़ी प्रसन्नता की बात है कि योग समिति सामाजिक दायरे को निरंतर बढ़ाते हुए योग के साथ सामाजिक समरसता के लिए भी संकल्पित है और निरंतर प्रयत्नशील रहती है। कार्यक्रम का संचालन सतीश उपाध्याय एवं आमंत्रित अतिथियों का आभार प्रदर्शन महिला समिति प्रमुख बलबीर कौर ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सुप्रसिद्ध गायक नवल किशोर सिंह एवं युवा गायक अनमोल सिंह के द्वारा होली गीत की शानदार प्रस्तुति दी गई। आपस में योग समिति के समस्त सदस्यों के द्वारा आपसी सद्भाव के साथ रंग गुलाल खेलते हुए समाजिक समरसता के साथ सम्मान समारोह का समापन किया गया।

162 ग्राम पंचायतों में चावल उत्सव के साथ मनेगा रोजगार और आवास दिवस

हर माह की 7 तारीख को पंचायतों में रोजगार, चावल और आवास दिवस का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार कोरिया जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस, चावल महोत्सव और आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले की सभी 162 ग्राम पंचायतों में कल यानी 7 फरवरी को कार्यालय ग्राम पंचायत तथा मनरेगा कार्यस्थलों पर रोजगार दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीणों और श्रमिकों को 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025' के प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना है।

इस अवसर पर आयोजित होने वाले आवास दिवस का प्रमुख उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराना, हितग्राहियों में लाभ पाने के लिए जागरूकता बढ़ाना तथा निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं का समाधान करना है। जनपद स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में इस आयोजन को अनिवार्य रूप से संपन्न कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर पक्का मकान उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों को आवास निर्माण शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीण हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी क्यूआर कोड स्कैन प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। ग्राम पंचायतों में लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर श्रमिक और ग्रामीण विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को आजीविका डबरी निर्माण, जल संरक्षण कार्यों तथा अन्य विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस नवाचारी पहल के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार और आवास से संबंधित सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि इस संयुक्त आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को विकसित भारत-जी राम जी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाना होगा। उन्होने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से योजनाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। आवास दिवस के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन करते हुए नए स्वीकृत आवासों के प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे तथा आवास निर्माण से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हितग्राहियों को समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा बचे हुए श्रमिकों के ई-केवाईसी, लंबित किस्तों के भुगतान और 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि से जुड़े मामलों का मौके पर ही निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

10वीं बोर्ड परीक्षा: गणित की परीक्षा में तीन नकलची पकड़ाए

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष-2026 कक्षा-10 वीं, की गणित की परीक्षा सूरजपुर जिले के निर्धारित 72 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। सूरजपुर जिले के निर्धारित 72 परिक्षा केन्द्रों में जिसमें कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-10096 में से 9802 परिक्षार्थी उपस्थित थे। एवं 294 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कलेक्टर सूरजपुर द्वारा गठित उड़नदस्ता दल शिवनारायण राठिया तहसीलदार भटगांव एवं सदस्यों द्वारा परीक्षा केन्द्र शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलका में तीन नकल प्रकरण दर्ज किया गया। जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल के द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिले के अन्य समस्त परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होना पाया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं के कार्यो को सराहा, मिलेट्स का लिया है स्वाद

मिलेट्स कैफे से चमकी 31 महिलाओं की किस्मत

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के कलेक्टरेट परिसर में संचालित 'कोरिया मिलेट्स कैफे' महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित इस कैफे में 31 महिलाएं मिलकर स्वादिष्ट और सेहतमंद मिलेट्स आधारित व्यंजन तैयार कर रही हैं। अपनी गुणवत्ता और स्वाद के कारण यह कैफे लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है। यहां कार्यरत अधिकांश महिलाएं अब 'लखपति दीदी' के रूप में भी पहचान बना चुकी हैं।

वर्ष 2023 में डीएमएफ की सहायता से शुरू हुए इस कैफे में कोदो शाही खीर, ज्वार का गुलाब जामुन, कोदो उपमा, रागी चीला, बाजरा चीला, ज्वार चीला, ज्वार पकोड़ा, बाजरा डोसा, ज्वार पराठा, कोदो कर्ड राइस, कोदो फ्राइड राइस, मिलेट्स पनीर चिल्ली और मिलेट्स मंचूरियन जैसे कई प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं। कोरिया मिलेट्स कैफे की खास बात यह है कि यहां विभिन्न धर्म, वर्ग और जाति की महिलाएं मिलकर कार्य कर रही हैं। कैफे में कार्यरत सुश्री हिना ने बताया कि कैफे शुरू करने से पहले उन्होंने रायपुर में 18 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें मिलेट्स से बनने वाले विभिन्न व्यंजनों को बनाना सिखाया गया। इसके बाद उन्होंने सरगुजा, महासमुंद, कोरबा और मुंगेली-बिलासपुर में भी सात दिवसीय प्रशिक्षण देकर अन्य महिला समूहों को प्रशिक्षित किया। अब तक करीब 32 महीनों में कोरिया मिलेट्स कैफे ने लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपये का कारोबार किया है, जिसमें से 62 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। जिले में आयोजित राज्योत्सव और कोरिया महोत्सव जैसे आयोजनों में भी इस कैफे के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां लोगों को मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलता है। अगस्त 2025 में महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कोरिया मिलेट्स कैफे की महिलाओं से बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की थी। हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया महोत्सव के दौरान यहां बने व्यंजनों का स्वाद लिया और महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बताया कि जिले की महिलाओं में जीवटता और जुनून है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां की स्वच्छता, स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन-नाश्ते ने कम समय में इसे अलग पहचान दिलाई है। निश्चित ही यह कैफे अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक बन रहा है। कैफे में कार्यरत महिलाओं का कहना है कि इस पहल से उन्हें न केवल रोजगार मिला है, बल्कि समाज में सम्मान और पहचान भी मिली है। पहले जहां उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं।

तेज रफ्तार सब्जी वाहन बिजली के खंभे से टकराया, दंपति घायल

दुर्ग। धमधा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच ठेलका चौक सोसायटी के पास एक और बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार सब्जी से भरा वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में लक्ष्मण और उनकी पत्नी सविता घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में भर्ती कराया गया।

डीसीएस सर्वेयरों का भुगतान लंबित

रबी फसल सर्वे पूरा करने के बाद भी मेहनताना नहीं मिला, सर्वेयरों में नाराजगी बढ़ी

कोरिया। जिले के छत्तीसगढ़ डिजिटल क्रॉप सर्वे (सीजीडीसीएस) के सर्वेयरों ने रबी फसल का सर्वे समय पर और पूरी मेहनत के साथ पूरा किया, लेकिन अब तक उनका भुगतान लंबित है। सर्वेयरों ने खेतों, झाड़ियों और फेंसिंग जैसी कठिन परिस्थितियों में कई किलोमीटर पैदल चलकर सर्वे पूरा किया, ताकि किसानों और सरकारी योजनाओं के लिए आवश्यक डेटा उपलब्ध कराया जा सके।

सर्वेयरों का कहना है कि ऑनलाइन नियुक्ति के बाद उन्होंने रबी, जायद और परती जमीन का सर्वे किया, और उन्हें बताया गया था कि मेहनताना जल्द मिलेगा। इसके बावजूद कई सर्वेयरों को पिछले खरीफ 2024 का भुगतान भी नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। 'हमने पूरे दिन पैदल चल कर खेतों और झाड़ियों में सर्वे किया। पहले बताया गया था कि भुगतान जल्द होगा, इसलिए हमने पूरी मेहनत की। अब महीना भर बीत गया है और पैसा नहीं मिला। रोजमर्रा के खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

सर्वेयरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनका भुगतान तुरंत नहीं किया गया तो वे आने वाले खरीफ 2025 का सर्वे नहीं करेंगे। उनका कहना है कि इससे सरकारी योजनाओं और फसल संबंधित नीतियों पर गंभीर असर पड़ सकता है। वहीं भुगतान में देरी के कारण सर्वेयरों की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ गया है।

कई सर्वेयर अपने परिवार और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। स्थानीय किसान और नागरिक भी इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि यदि आने वाले समय में सर्वेयरों ने कार्य नहीं किया तो फसल योजनाओं और लाभ वितरण पर असर पड़ सकता है। हालांकि इस मामले में अब तक प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सर्वेयरों ने अपील की है कि उनकी मेहनत और समय का उचित मूल्य तुरंत दिया जाए, ताकि वे आने वाले फसल सर्वे में पूरी तत्परता और सक्रियता के साथ काम कर सकें।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 में बिपुल गुप्ता ने हासिल की 103वीं रैंक

रामानुजगंज। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणामों में बिपुल गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 103वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों और परिचितों सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। बिपुल गुप्ता ने अपनी स्कूली शिक्षा डीपीएस उक्कुनगरम, विशाखापट्टनम से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी मद्रास से वर्ष 2022 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। सिविल सेवा परीक्षा में यह उनका तीसरा प्रयास था, जिसमें उन्होंने यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इससे पहले भी बिपुल गुप्ता ने सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। पिछले वर्ष उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 368वीं रैंक तथा भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परीक्षा में 12वीं रैंक प्राप्त की थी। पढ़ाई के साथ-साथ बिपुल गुप्ता ने खेलों और अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाई है। वे ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट धारक हैं तथा आंध्र प्रदेश राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी जीत चुके हैं। बिपुल गुप्ता के पिता पवन कुमार गुप्ता आरआईएनएल में डीजीएम पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता दीपा गुप्ता जानी-मानी कवयित्री हैं। उनकी माता नगर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी तथा नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी रहे स्वर्गीय मदन प्रसाद गुप्ता की पुत्री हैं। बिपुल की इस उपलब्धि से पूरे रामानुजगंज क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

धारदार चाकू के साथ नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थानाक्षेत्र में पुलिस ने धारदार हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से एक नाबालिग बालक है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से धारदार चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 06.03.26 को थाना खम्हारडीह पुलिस की टीम द्वारा थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत अवंति विहार स्थित श्याम पान पैलेस के पास हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते व डराते धमकाते एक नाबालिग बालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग धारदार चाकू जप्त कर उसके विरूद्ध थाना खम्हारडीह में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

निर्माण के दौरान ही फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण करें अधिकारी, लापरवाही पर कार्रवाई और ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

रायपुर। प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह निर्देश आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। बैठक में बागबहार-कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी, लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराए जाएं तथा उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए।

टेंडर से अवॉर्ड तक पूरी प्रक्रिया की समय-सीमा तय करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किए जाएं। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 300 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां बरसात के दौरान संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसे गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को कई बार बीमार मरीजों को खाट में उठाकर ले जाना पड़ता है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। खाद्य विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर चिन्हित इन गांवों को सड़कों और पुल-पुलियों के माध्यम से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने लैलूंगा-कुंजारा-तोलगेपहाड़-मिलूपारा-तमनार मार्ग के निर्माण की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़ी आबादी निवास करती है और यहां सड़क का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इस मार्ग के कुछ हिस्से में वन स्वीकृति की आवश्यकता होगी, लेकिन शेष हिस्सों में निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। बैठक में मनेंद्रगढ़-सूरजपुर-अंबिकापुर-पत्थलगांव-कुनकुरी-जशपुर-झारखंड सीमा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 की प्रगति की भी समीक्षा की गई। लगभग 353 किलोमीटर लंबाई वाली इस सड़क परियोजना की स्थिति पर चर्चा की गई। पत्थलगांव-कुनकुरी खंड में भू-अर्जन का मुआवजा दिए जाने की जानकारी भी बैठक में साझा की गई। इसके अलावा अंबिकापुर-सेमरसोत-रामानुजगंज-गढ़वा मार्ग, गीदम-दंतेवाड़ा मार्ग, चांपा-सक्ती-रायगढ़-ओडिशा सीमा मार्ग, रायपुर-दुर्ग मार्ग तथा चिल्फी क्षेत्र की सड़कों सहित कई अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बस्तर में पुल-पुलिया निर्माण सहित 17 सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही राज्य द्रुतगामी सड़क संपर्क मार्ग की आगामी कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में शासकीय भवनों के डिजाइन बहुत पुराने और एक जैसे दिखाई देते हैं। अब समय आ गया है कि शासकीय भवनों का निर्माण आधुनिक डिजाइन और तकनीक के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि भवनों का डिजाइन उनकी उपयोगिता के अनुरूप होना चाहिए और भूमि के बेहतर उपयोग के लिए हॉरिजॉन्टल की जगह वर्टिकल संरचना को बढ़ावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने राजभवन में बन रहे गेस्ट हाउस को भी आधुनिक और गरिमामय स्वरूप में तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें आमजन के जीवन से सीधे जुड़ी होती हैं और लोग सड़क की गुणवत्ता को बहुत महत्व देते हैं। अन्य कई विकास कार्य भले दिखाई न दें, लेकिन सड़कें सीधे लोगों को दिखाई देती हैं और सरकार की छवि भी उसी के आधार पर बनती है। इसलिए लोक निर्माण विभाग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है और इसमें होने वाले कार्यों को समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जिससे सड़कों में बनने वाले गड्ढों की जानकारी समय पर मिल सके और उन्हें तुरंत ठीक किया जा सके। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश बंसल, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत तथा लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोयलांचल का गौरव पथ बना जर्जर पथ, दुर्घटना का खतरा

कोरबा। कोयलांचल दीपका का गौरव पथ भारी वाहनों की आवाजाही के कारण जर्जर पथ बन गया है। इस पथ पर चलते व पार करते समय दुर्घटना का हमेशा भय बना रहता है। गौरव पथ पर भारी वाहनों की आवाजाही को रोकने तथा इसकी सुरक्षा के लिए कई बार क्षेत्र के जागरूक लोगों द्वारा आंदोलन किया गया और चक्काजाम की कवायद भी की गई लेकिन भारी वाहनों का आवागमन इस पर नहीं रूक सका और धड़ल्ले से बड़ी संख्या में भारी वाहनों के चलने के फलस्वरूप गौरव पथ धीरे-धीरे टूटकर जर्जर हो गया है। इस पथ पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं जिसके कारण सदैव दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। गेवरा कालोनी के लोगों को दीपका आने-जाने के लिए इस मार्ग को पार कर आना-जाना भी करना पड़ता है। ज्ञात रहे नगर पालिका दीपका के प्रथम अध्यक्ष बुगल कुमार दुबे द्वारा गौरव पथ के निर्माण में रूचि ली गई थी तथा प्रशासन से इस हेतु फंड की व्यवस्था कराने के साथ करोड़ों रुपए खर्च कर गौरव पथ का निर्माण करवाया गया था। गौरव पथ के कोयलांचल में बनने से यहां के निवासियों ने आवागमन की सुविधा महसूस की थी और इसे नगर पालिका अध्यक्ष की अच्छी पहल बताते हुए सराहना भी किया था। गौरव पथ बनने के बाद लोगों की हमेशा मांग रही कि इस पर भारी वाहनों को न चलाया जाए लेकिन निजी कंपनी का वाहन लगातार मार्ग पर चलता रहा और यह जर्जर हो गया।

अग्नि सुरक्षा के लिए पुटा में निकली जनजागरूकता रैली

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत केंदई रेंज के मदनपुर सर्किल के वन प्रबंधन समिति पुटा की बैठक संपन्न हुई। जिसमें समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक में अग्नि सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा मौजूद डिप्टी रेंजर मंगल सिंह नायक ने ग्रामीणों को जंगल में आग नहीं लगाने की हिदायत दी। बैठक के बाद विभाग की ओर से अग्नि सुरक्षा हेतु जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में गांव की महिलाएं, पुरुष, युवा, बच्चे समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए, जो अग्नि सुरक्षा का संकल्प लेते हुए गांव की गलियों में नारे लगाते हुए संदेश दिए कि जंगल को बचाना है, वन में आग नहीं लगाना है। रैली में शामिल होने वालों में गांव की सरपंच श्रीमती प्रमिला, उपसरपंच राजू सिंह, वन प्रबंधन समिति पुटा के अध्यक्ष अजमेर, उपाध्यक्ष दिलेश्वर, फड़ मुंशी शिवमंगल सिंह, चन्द्रा गिरी, बेरियर प्रभारी महेश श्याम, वनरक्षक पवन बिंझवार, कम्प्यूटर ऑपरेटर सुभाष नायक प्रमुख थे। ज्ञात रहे एक दिन पूर्व कटघोरा वनमंडल के डीएफओ कुमार निशांत द्वारा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक ली गई थी, जिसमें उन्होंने अग्नि सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए आदेशित किया था कि वनों को आग से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार के साथ वन्य क्षेत्रों में जनजागरूकता चलाई जाए। विभागीय कर्मियों की सक्रियता एवं जनजागरूकता से वनों को आग से बचाया जा सकता है। डीएफओ के निर्देशों का मैदानी अमले ने पालन शुरू कर दिया है और अपने-अपने क्षेत्रों में जनजागरूकता रैली निकालनी शुरू की है। इसी परिप्रेक्ष्य में यहां के डिप्टी रेंजर मंगल सिंह नायक द्वारा भी बैठक का आयोजन पुटा में किया गया।

शहर में खुले ट्रांसफार्मर हादसे को दे रहे न्यौता

कोरबा। खनिज संपदा से समृद्ध जिला कोरबा में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। नगर निगम क्षेत्र के कई इलाकों में बिजली के ट्रांसफॉर्मर बिना किसी सुरक्षा घेराबंदी के खुले पड़े हैं। इन ट्रांसफॉर्मरों के आसपास न तो जाली लगाई गई है और न ही कोई सुरक्षा दीवार बनाई गई है।

ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। खासकर बच्चों और राहगीरों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। कई जगहों पर ट्रांसफॉर्मर सड़क किनारे या आबादी के बीच स्थापित हैं, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इन ट्रांसफॉर्मरों के चारों तरफ मजबूत जाली या घेराबंदी कर दी जाए, तो संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लोगों का कहना है कि यह कोई बड़ा खर्च वाला काम नहीं है, लेकिन इससे आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। कोरबा जिला खनिज संपदा से समृद्ध है और यहां हर साल जिला खनिज न्यास फंड (डीएमएफ) के रूप में करोड़ों रुपये प्राप्त होते हैं। इस फंड का उद्देश्य ही जनहित से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देना है, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं बेहतर की जा सकें। शहर के जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों को इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि समय रहते ट्रांसफॉर्मरों के आसपास सुरक्षा घेराबंदी नहीं की गई, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

शिप्रा सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने मनाया स्वास्थ्य पखवाड़ा, हुए कई आयोजन

कोरबा। शिप्रा सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने कोरबा जिले में अपने निरंतर स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेवा अभियान के अंतर्गत एक व्यापक स्वास्थ्य पखवाड़ा सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच सुविधाएँ उपलब्ध कराना था। लोगों का ब्लड प्रेशर (बीपी) एवं ब्लड शुगर की जांच की गई। उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन), सड़क सुरक्षा तथा परिवार नियोजन के महत्व पर विस्तृत जानकारी एवं जागरूकता प्रदान की गई। चश्मा घर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नेत्र जांच शिविर में सैकड़ों लोगों की आँखों की जांच की गई तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को मुफ्त चश्मे वितरित किए गए। सर्दी-खाँसी एवं अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य संबंधी सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री का व्यापक वितरण किया गया, जिससे लोगों में रोग निवारण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ी। इन सभी गतिविधियों से 500 से अधिक पुरुषों एवं महिलाओं ने सीधे लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम पूर्णतः समर्पित स्वयंसेवकों के अथक सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रतिनिधि मंडल प्रबंधन से मिला

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि मंडल रायपुर जाकर प्रबंधन से मुलाकात की है। उन्होंने कई समस्याओं को प्रबंधन के सामने रखा। खासकर इलाज की सुविधा को सामने रखते हुए कहा कि विद्युत कर्मियों को इलाज की सुविधा और दिए जाने की जरूरत है। खासकर रिटायर्ड कर्मी इलाज को लेकर परेशान हो जाते हैं। इसी तरह कालोनी की समस्याओं को भी प्रबंधन के सामने रखा गया। इस प्रतिनिधि मंडल में आरएस जायसवाल, अमर सिंह राठौर सहित अनेकों सदस्य शामिल थे।

बैगलेस डे : खेल-खेल में बच्चों को कई गतिविधियां सिखाई शिक्षकों ने

कोरबा। पाली विकासखंड अंतर्गत संकुल पटपरा अंतर्गत प्राथमिक शाला ठाड़पखना में शनिवार को बैगलेस डे के अवसर पर बच्चों के लिए रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान पाठक संतोष पटेल की उपस्थिति में सहायक शिक्षक लक्ष्मी तिवारी और शिक्षिका अनामिका महंत ने बच्चों को खेल-खेल में सीखने की गतिविधियां कराईं।

इस दौरान बच्चों को संगीत की धुन पर मजेदार चिकन डांस कराया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आनंद के साथ सीखने का अवसर मिला। साथ ही बच्चों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली भी खेला। विद्यालय में हर शनिवार को बैगलेस डे के तहत बच्चों के लिए अलग-अलग रोचक खेल गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को ज्ञानवर्धक खेलों की जानकारी देने के साथ उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

नाड़ी वैद्य शर्मा की सलाह : चैत्र माह में खानपान पर रखें सावधानी

कोरबा। आयुर्वेद चिकित्सक नाड़ीवैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने चैत्र माह में स्वस्थ रहने के लिए खान-पान और दिनचर्या को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने बताया कि हिंदी पंचांग के अनुसार चैत्र माह का आरंभ 04 मार्च 2026 बुधवार से हो गया है, जो 02 अप्रैल 2026 गुरुवार तक रहेगा। आयुर्वेद में प्रत्येक माह और ऋतु के अनुसार आहार-विहार का विशेष महत्व बताया गया है, जिसे अपनाकर व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकता है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि भारतीय परंपरा में ऋतुचर्या यानी ऋतुओं के अनुसार जीवनशैली अपनाने की परंपरा रही है। चैत्र माह के दौरान मौसम में बदलाव होता है और वसंत ऋतु अपने अंतिम चरण में होती है, जबकि ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होने लगती है। इस समय तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है और वातावरण गर्म तथा शुष्क होने लगता है। मौसम में इस परिवर्तन के कारण सर्दी, खांसी और ज्वर जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही पाचन शक्ति कमजोर होने के कारण अपच, उल्टी और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस अवधि में लोगों को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। तैलीय, मसालेदार, भारी और होटल के भोजन से परहेज करना चाहिए। गर्मी बढ़ने के कारण शरीर में पानी की कमी होने की आशंका रहती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है।

खरमास 15 से, मांगलिक कार्यों पर लगेगा ब्रेक

कोरबा। सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले शुभ-अशुभ समय का विचार किया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार जब सूर्य देव गुरु ग्रह की राशि धनु या मीन में प्रवेश करते हैं तो खरमास लगता है और इसके साथ ही शादी-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। साल 2026 में मार्च महीने में लगने वाला खरमास 15 मार्च से शुरू होगा और 14 अप्रैल 2026 तक रहेगा। इस दौरान धार्मिक कार्य और भगवान की पूजा-उपासना को विशेष महत्व दिया जाता है।

पंचांग के अनुसार मीन संक्रांति 15 मार्च 2026, रविवार को होगी, जिसके साथ ही खरमास की शुरुआत मानी जाएगी। इस दिन का पुण्यकाल सुबह 06:31 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा, जबकि महापुण्यकाल सुबह 06:31 से 08:31 बजे तक माना गया है। इसके बाद से लगभग एक महीने तक किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।धार्मिक मान्यता के अनुसार जब सूर्य देव बृहस्पति की राशि धनु या मीन में प्रवेश करते हैं, तब खरमास लगता है। यही कारण है कि एक साल में दो बार खरमास आता है। आमतौर पर यह अवधि मार्च-अप्रैल और नवंबर-दिसंबर के बीच पड़ती है। इस समय विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन या नए काम की शुरुआत जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। हालांकि इस अवधि को भगवान विष्णु और सूर्य देव की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। खरमास के दौरान कुछ विशेष नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस समय कोई भी नया शुभ कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। साथ ही धन के लेन-देन में सावधानी बरतनी चाहिए और विवादों से बचना चाहिए। माना जाता है कि इस दौरान मांस-मदिरा जैसी तामसिक चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए।धार्मिक दृष्टि से यह समय साधना और दान-पुण्य के लिए बहुत शुभ माना गया है। इस अवधि में लक्ष्मी-नारायण और सूर्य देव की पूजा करने से विशेष फल प्राप्त होता है। संभव हो तो व्यक्ति को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए और सूर्य देव को अर्घ्य देना चाहिए। इसके अलावा आदित्य हृदय स्तोत्र और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना भी अत्यंत लाभकारी माना जाता है। मान्यता है कि खरमास के दौरान जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शुभ फल की प्राप्ति होती है।

बांकी कालोनी की समस्याओं को लेकर चर्चा

कोरबा। एसईसीएल बांकीमोंगरा में वरिष्ठ श्रमिक नेता ए.आर.जिनस व गोविंद सिंह राजपूत के द्वारा कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई जिसमें सदस्यता अभियान पर चर्चा की गई। श्री जिनस ने बताया कि कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाने के लिए कह दिया गया है और वे कामगारों के घरों तक पहुंच रहे हैं। कामगारों को बताया जा रहा है कि एसईकेएमसी ने कई उल्लेखनीय कार्य कराया है। खासकर इलाज के मामले में मरीजों को बाहर रेफर कराने का प्रयास भी किया गया है। इस बैठक में अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की गई। खासकर गर्मी के मौसम में पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है। इस समस्या को आने वाले दिनों में प्रबंधन के सामने रखा जाएगा।

महिला सफाई कर्मियों का होगा सम्मान

कोरबा। महिला दिवस पर कल बीकेकेएमएस गेवरा-दीपका के द्वारा महिला सफाई कर्मियों का दुर्गा मंदिर के निकट सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की सभी सफाई महिला कर्मियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रमेश गुरुद्वान, मदन सिंह, प्रीतम राठौर, चंद्रशेखर राठौर, कुलदीप कुमार, वीरेंद्र राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता लगे हुए हैं। इसी तरह कुसमुंडा, कोरबा क्षेत्र का कार्यक्रम 11 मार्च को कुसमुंडा में आयोजित किया गया है। जिसमें महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। बीकेकेएमएस के द्वारा यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है। कोरबा, कुसमुंडा क्षेत्र से रंजय सिंह, अमिया मिश्रा, बाबूलाल चंद्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा तैयारी की जा रही है। पिछले वर्ष जेआरसी क्लब कोरबा में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, यह कार्यक्रम काफी सफल रहा था। इस बार भी कार्यकर्ता उत्साहित नजर आ रहे हैं।

अग्रवाल सभा व महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

कोरबा । अग्रवाल सभा कोरबा व अग्रवाल महिला मंडल का होली मिलन समारोह अग्रसेन भवन कोरबा में अयोजित किया गया। होली मिलन समारोह में फाग गीतों के साथ ही भक्ति गीतों, हंसी के रंगों में रंगे चुटकलद्य विशेष आकर्षण रहा इस अवसर पर अग्रबंन्धुओं के द्वारा ही चुटकलों प्रस्तुत किये गये। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने अपने उदबोधन में कहा कि मै सभी अग्रबन्धुओं को रंगों के पर्व पर होली कि हार्दिक बधाई देता हूं रंगों को यह पर्व हमें सभी कुछ भेदभाव भूलद्य देता है सभी को एक रंग में रंगा देता है उसी प्रकार से हमें भी इस त्योहार को सद्यलीनता के साथ मनाना चाहिए । इस अवसर पर अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रसाद अग्रवाल रामसिंह अग्रवाल नागरमल अग्रवाल राजकुमार अग्रवाल श्रीकांत बुधिया अग्रवाल सभा सचिव गोपाल अग्रवाल के साथ अशोक मोदी, विश्वनाथ केडिया, देवी प्रसाद केडिया, अशीष खेतान, नरेन्द्र अग्रवाल, शंकर लाल टमकोरिया, अनिल अग्रवाल , राकेश अग्रवाल शिव मोदी भारी संख्या में अग्रबन्धुगण उपस्थित हुये । अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा भी होली मिलन समारोह का अयोजन किया गया द्यइस अवसर पर महिला मंडल के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया गया जिसमें होजी, डोल, डांस, विभिन्न गेम अयोजित हुए द्यजिसमें अग्र महिलाओं ने बढ चढ कर हिस्सा लिया । इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल के अध्यक्ष श्रीमति मनीषा गोयल ने अपने उदबोधन में सभी को होली की हार्दिक बधाई दीद्य इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष उमा बंसल, आशा अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, भगवती अग्रवाल, किरण अग्रवाल, भगवती मोदी, अंजू अग्रवाल, अनिता सिंघल सुमन केडिया, सरिता अग्रवाल, आभा अग्रवाल, अग्रवाल महिला मंडल से रश्मि सरावगी रिंकी बंसल, मनीषा मोदी, मुक्ता अग्रवाल पखुरी अग्रवाल अनिता अग्रवाल शशि अग्रवाल सुमन अग्रवाल बड़ी संख्या में अग्र महिला उपस्थित थे।

इलाज का अन्य विकल्प खोलने की मांग

कोरबा। केएसएस आईआर की बैठक में कोरबा एरिया के अनूप सरकार ने मांग उठाते हुए कहा है कि कोयला कामगारों को इलाज के लिए कई चिकित्सालय विकल्प के रूप में खोले गए हैं। मरीजों को उन्हीं चिकित्सालय में इलाज के लिए जाना पड़ता है। लेकिन अब सारे विकल्प प्रबंधन को खोलना चाहिए। जो चिकित्सालय चिन्हांकित नहीं हैं उन चिकित्सालयों में भी इलाज सुविधा दिए जाने की जरूरत है। इस बैठक में अन्य समस्याओं को भी जोर-शोर से उठाया गया।

वेलफेयर कमेटी कालोनी का करेगी निरीक्षण

कोरबा। एसईसीएल मानिकपुर कालोनी में कोयला कामगार उड़ रहे धूल से परेशान हैं। इसके अलावा कई ऐसे मोहल्ले हैं जहां पर पेयजल कामगारों को नहीं मिल पा रहा है। वेलफेयर कमेटी की टीम के साथ-साथ अधिकारी भी कालोनी का निरीक्षण करेंगे।

ढाबे की आड़ में अवैध मादक पदार्थ बिक्री, दो गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा-पश्चिम क्षेत्र के हरदी बाजार बस स्टैंड स्थित एक ढाबा में महुआ निर्मित देसी अवैध मादक द्रव्य पदार्थ बिक्री की सूचना पर पुलिस ने कार्यवाही की है। पुलिस ने दबिश देकर ढाबा संचालक और उसके एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। मौके से भारी मात्रा में कच्ची महुआ, देसी और मादक द्रव्य पदार्थ के साथ बिक्री के 4500 रुपए भी जब्त किए गए। हरदीबाजार थाना प्रभारी प्रमोद कुमार डनसेना के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक कृपा शंकर दुबे ने अपनी टीम के साथ ढाबा पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से 30 लीटर कच्ची महुआ निर्मित अवैध मादक द्रव्य पदार्थ, 22 नग देसी अवैध मादक द्रव्य पदार्थ, 8 नग गोवा अवैध मादक द्रव्य पदार्थ और बिक्री के 4500 रुपए जब्त किए। मुख्य आरोपी और उसके सहयोगी को आबकारी अधिनियम की धारा 34/2 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। जब्त की गई अवैध मादक द्रव्य पदार्थ की कुल कीमत 10,160 रुपए आंकी गई है।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता प्रवीण ओगरे बने जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण के महामंत्री

कोरबा। छत्तीसगढ़ की राजनीति में रामपुर विधानसभा क्षेत्र के युवा और सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता प्रवीण ओगरे इन दिनों चर्चा के केंद्र में हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण की नई कार्यकारिणी को मंजूरी मिलने के साथ ही प्रवीण ओगरे को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर से प्रभारी महामंत्री (संगठन व प्रशासन) मलकीत सिंह गैदू द्वारा जारी पत्र में जिला अध्यक्ष मनोज चौहान की प्रस्तावित कार्यकारिणी को अनुमोदन दिया गया है।जैसे ही प्रवीण ओगरे के महामंत्री बनने की खबर सामने आई, रामपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सोशल मीडिया से लेकर गांव-गांव तक उनके नाम की चर्चा तेज हो गई है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच काम करने का परिणाम है कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। प्रवीण ओगरे अपनी सक्रियता, मिलनसार स्वभाव और युवा नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। क्षेत्र के युवाओं के बीच उनकी खास पकड़ मानी जाती है और वे लगातार सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी निभाते रहे हैं। यही वजह है कि उनकी नई जिम्मेदारी को संगठन में युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि प्रवीण ओगरे को मिली यह जिम्मेदारी न केवल उनके राजनीतिक सफर के लिए अहम साबित होगी, बल्कि रामपुर क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को भी नई ऊर्जा देने का काम करेगी।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com